हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

बिलासपुर, सोमवार 22 दिसंबर 2025

छत्तीसगढ़ की 25 सरकारी कंपनियों को 10 हजार 252 करोड़ से अधिक का नुकसान

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

छत्तीसगढ़ की 25 सरकारी कंपनियों को तीन साल में 10 हजार 252 करोड़ से अधिक का घाटा हुआ है। 31 मार्च 2023 को समाप्त अवधि के लिए सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों की आडिट जांच (लेखा परीक्षा) से यह तथ्य सामने आया है। महालेखाकार की इस रिपोर्ट में ये भी सिफारिश की गई है कि हानि में चल रही राज्य की सरकारी कंपनियों में निष्क्रिय के कामकाज की समीक्षा कर सकती है। उनके वित्तीय प्रदर्शन में सुधार भी कर सकती है या उन कंपनियों के समापन के लिए जरूरी कदम उठा सकती है।

राज्य के सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (राज्य के पीएसईज) में राज्य सरकार की कंपनियां और सांविधिक निगम शामिल हैं। राज्य के पीएसईज की स्थापना वाणिज्यिक प्रकृति की गतिविधियों चलाने, लोगों के कल्याण को ध्यान में रखते हुए और राज्य की अर्थव्यवस्था में योगदान देने के लिए की गई थी। मार्च 2023 तक छत्तीसगढ़ में राज्य के 28 पीएसईज थे, जिनमें 27 सरकारी कंपनियां और एक सांविधिक निगम था, जो भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक (सीएजी) के लेखापरीक्षा क्षेत्राधिकार के अंतर्गत आते थे। इनमें से राज्य के 26 पीएसईज कार्यरत थे और दो निष्क्रिय थे। राज्य के कार्यरत 26 पीएसईज में से, राज्य के चार पीएसईज विद्युत क्षेत्र से संबंधित थे। सीएजी की रिपोर्ट से इन कंपनियों के वित्तीय प्रबंधन की स्थिति उजागर हुई है। बताया गया है कि 30 सितंबर 2023 के अंत तक राज्य के 25 पीएसईज के 47 लेखे का बैकलॉग था, जिनकी लंबित अवधि छह वर्ष तक थी। रिपोर्ट के मुताबिक दर्ज वार्षिक टर्नओवर 42,172.73 करोड़ था, जो छत्तीसगढ़ के जीएसडीपी का 9.22 प्रतिशत था। राज्य के दस पीएसईज ने लाभ (879.22

करोड़) अर्जित किया, जिनमें से शीर्ष पांच लाभ कमाने वाले राज्य पीएसईज, छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत उत्पादन कम्पनी लिमिटेड, छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत पारेषण कंपनी लिमिटेड, छत्तीसगढ़ राज्य भण्डारगृह निगम, छत्तीसगढ़ राज्य वन विकास निगम लिमिटेड और छत्तीसगढ़ खनिज विकास निगम थे।

ये कंपनियां रहीं घाटे में

राज्य के सात पीएसईज को हानि (1,143.10 करोड) हुई। राज्य के पांच पीएसईज अर्थात छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड, छत्तीसगढ़ राज्य नागरिक आपूर्ति निगम लिमिटेड, छत्तीसगढ़ रेलवे कॉर्पोरेशन लिमिटेड, छत्तीसगढ़ कटघोरा डोंगरगढ़ रेलवे लिमिटेड और छत्तीसगढ़ खरसिया नया रायपुर रेलवे लिमिटेड को 10 हजार 252.86 करोड़ की संचित हानि हुई। राज्य के 16 पीएसईज ने निदेशक मंडल की चार बैठकों की अनिवार्य आवश्यकताओं का पालन नहीं किया। राज्य के 12 पीएसईज में से केवल एक में स्वतंत्र निदेशकों की आवश्यक संख्या उपलब्ध थी। हालांकि, स्वतंत्र निदेशकों ने अलग बैठक आयोजित नहीं की है। राज्य की आठ पीएसईज में से दो में महिला निदेशक की नियुक्ति नहीं की गई। पूर्णकालिक प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिकों की नियुक्ति राज्य के आठ पीएसईज में से केवल चार में की गई और राज्य के 12 पीएसईज में से दो में लेखा परीक्षा समिति का गठन किया गया।

सतर्कता तंत्र भी नहीं किया स्थापित

राज्य के 12 पीएसईज में से केवल एक ने नामांकन और पारिश्रमिक समिति का गठन किया है। राज्य के छह पीएसईज में से किसी ने भी वास्तविक चिंताओं और शिकायतों की रिपोर्ट करने के लिए सतर्कता तंत्र स्थापित नहीं किया है।

सीएजी ने की है ये अनुशंसा

राज्य सरकार सभी हानि में चल रहे राज्य के निष्क्रिय पीएसईज के कार्य की समीक्षा कर सकती है और उनके वित्तीय प्रदर्शन में सुधार या समापन के लिए आवश्यक कदम उठा सकती है। लाभ कमाने वाले राज्य के पीएसईज के लिए लाभांश नीति तैयार कर सकती है।

एफसीआई की बैठक में सांसद बृजमोहन सख्त, कहा- समय पर हो धान का उठाव

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

सांसद एवं छत्तीसगढ़ भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) परामर्शदात्री समिति के अध्यक्ष, सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने एफसीआई की कार्यप्रणाली में सुधार लाने के उद्देश्य से एफसीआई के महाप्रबंधक एवं उप महाप्रबंधकों की एक विस्तृत समीक्षा बैठक लेकर छत्तीसगढ़ में किसानों के हितों से जुड़े महत्वर्ण मुद्दों पर गंभीरता से चर्चा की और अधिकारियों को स्पष्ट व ठोस दिशा-निर्देश दिए। श्री अग्रवाल ने राज्य में धान एवं चावल उठाव, भंडारण और परिवहन व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए कड़े निर्देश दिए। श्री अग्रवाल ने स्पष्ट कहा, धान का समय पर उठाव और जमा सुनिश्चित किया जाए, ताकि किसी भी किसान को परेशानी का सामना न करना पड़े। बैठक में उन्होंने कहा, एफसीआई की भंडारण क्षमता बढ़ाने के लिए नए गोदामों का निर्माण किया जाए, जिससे धान और चावल के सुरक्षित भंडारण में कोई बाधा न आए। साथ ही उन्होंने निर्देशित किया कि किसानों के धान उठाव एवं परिवहन में किसी भी प्रकार की रुकावट या अव्यवस्था स्वीकार्य नहीं होगी। श्री अग्रवाल ने कहा, चावल की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए सैंपलिंग मशीनों के माध्यम से परीक्षण किया जाए, ताकि उत्तम गुणवत्ता का चावल आम उपभोक्ताओं तक पहुंचे।

एफसीआई की कार्यप्रणाली की समीक्षा

बैठक में उन्होंने चावल के उठाव, परिवहन, गुणवत्ता नियंत्रण और संपूर्ण कार्यप्रणाली में सुधार लाने के लिए एफसीआई अधिकारियों को स्पष्ट एवं सख्त निर्देश दिए। सांसद ने खरीदी, भंडारण, परिवहन, मिलिंग, गुणवत्ता नियंत्रण, रेलवे रैक की उपलब्धता, स्टाफ की कमी सहित एफसीआई की पूरी कार्यप्रणाली की बारीकी से समीक्षा की। राज्य में बिलासपुर मंडल के अंतर्गत 14 जिले, दुर्ग मंडल के 14 जिले और रायपुर मंडल के 5 जिलों में से 4 जिलों को मिलाकर कुल 110 डिपो कार्यरत हैं, जिनमें 21 एफसीआई के स्वयं के तथा 89 किराए के डिपो हैं। उन्होंने जिलेवार प्रोक्योरमेंट का विस्तृत ब्योरा मांगा और डिपो में जगह की कमी पर गंभीर चिंता जताई।

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com
बिलासपुर, सोमवार 22 दिसंबर 2025

तख़्त श्री केशगढ़ साहिब
श्री आनंदपुर साहिब

श्री अकाल तख़्त साहिब
श्री अमृतसर साहिब
(वाल्ड सिटी)

तख़्त श्री दमदमा साहिब
तलवंडी साबो

विनम्र सेवा, ऐतिहासिक फ़ैसला

पंजाब सरकार द्वारा

गुरु जी के आशीर्वाद से

संगत की वर्षों पुरानी माँग को पूरा करते हुए

तीन नगरों को

पवित्र शहर का दर्जा

पंजाब सरकार इस ऐतिहासिक फ़ैसले से
स्वयं को धन्य महसूस करती है
-भगवंत सिंह मान
मुख्यमंत्री, पंजाब

समूह संगत को हार्दिक शुभकामनाएँ

सूचना एवं लोक संपर्क विभाग, पंजाब

चिंतन

‘वीबी-जी राम जी’ देगी ग्रामीण जीवन को गति

विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) यानी वीबी-जी राम जी योजना आत्मनिर्भर ग्रामीण भारत की नींव मजबूत कर ग्रामीण जीवन को मजबूती देने का काम करेगी। इसका मुख्य उद्देश्य सीधे गांव के लोगों को काम देने की बजाय गांवों की आमदनी बढ़ाना है। इसमें स्वरोजगार को बढ़ावा दिया जाता है। खेती, पशुपालन और छोटे उद्योगों को बढ़ावा दिया जाता है और गांव को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना इसका उद्देश्य है। यह विधेयक हाल ही में संसद के दोनों सदनों में पास हो गया था। अब राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की मंजूरी के बाद कानून बन गया। इस योजना ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) का स्थान लिया है। मनरेगा अब बीते दिनों की बात हो जाएगी। इस कानून के तहत ग्रामीण परिवारों को मिलने वाली वैधानिक मजदूरी रोजगार की गारंटी को बढ़ाकर एक वित्तीय वर्ष में कम से कम 125 दिन कर दिया गया है। जो मनरेगा के 100 दिनों से अधिक है। सरकार इसे ग्रामीण जीवन को मजबूत आधार देने वाला ऐतिहासिक कदम बता रही है। इसके लागू होने से ग्रामीण क्षेत्रों में बहुत कुछ बदल जाएगा। इस योजना को चार प्रमुख भागों में बांटा गया है। इनमें जल सुरक्षा, मुख्य ग्रामीण इन्फ्रास्ट्रक्चर, आजीविका से जुड़े इन्फ्रास्ट्रक्चर और मौसमी घटनाओं के लिए विशेष कार्य शामिल हैं। यह अधिनियम एक केन्द्रीय प्रायोजित योजना के रूप में लागू किया जाएगा, जिसे राज्यों द्वारा अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार अधिसूचित और क्रियान्वित किया जाएगा। व्यय-साझेदारी का पैटर्न केंद्र और राज्यों के बीच 60:40, पूर्वोत्तर एवं हिमालयी राज्यों के लिए 90:10, तथा विधानसभा रहित केंद्र शासित प्रदेशों के लिए 100 प्रतिशत केंद्रीय वित्त पोषण का है। निधि राज्यवार मानकीकृत आवंटनों के माध्यम से प्रदान की जाएगी, जो नियमों में निर्दिष्ट वस्तुनिष्ठ मानकों पर आधारित होगी (धाराएं 4(5) एवं 22(4)), जिससे पूर्वानुमेयता, वित्तीय अनुशासन और सुदृढ़ योजना निर्माण सुनिश्चित होगा, साथ ही रोज़गार तथा बेरोज़गारी भत्ते से संबंधित वैधानिक अधिकारों का पूर्ण संरक्षण बना रहता है। वीबी-जी राम जी कानून लागू होने से ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार की कानूनी गारंटी पहले से ज्यादा मजबूत हो जाएगी। ग्रामीणों की जेब में ज्यादा पैसा आएगा। नए कानून का मकसद केवल रोजगार नहीं है, बल्कि ग्रामीण समाज का समग्र सशक्तिकरण करना है। इसमें समावेशी विकास को प्राथमिकता दी गई है, ताकि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े लोगों तक योजनाओं का लाभ पहुंच सके और उन्हें मुख्यधारा में शामिल किया जा सके। यह कानून महिलाओं, कमजोर वर्गों और जरूरतमंद परिवारों को आत्मनिर्भर बनाने में अहम भूमिका निभाएगा और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को स्थायी मजबूती प्रदान करेगा। इससे विकास कार्यों में पारदर्शिता और गति दोनों बढ़ेगी। ग्रामीण क्षेत्रों में असमानता कम होगी और विकास का लाभ सभी तक पहुंचेगा। रोजगार के अवसर बढ़ेंगे, जिससे ग्रामीण परिवारों की आय में वृद्धि होगी। विकास कार्य तेजी से होंगे, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों की स्थिति में सुधार होगा। ग्राम सभाओं को अधिक अधिकार दिए जाएंगे, जिससे पारदर्शिता और जवाबदेही तय हो सकेगी। रोजगार बढ़ने से गांवों में आय के साधन मजबूत होंगे और शहरों की ओर पलायन पर भी रोक लगेगी। यह योजना विकसित भारत 2047 के विज़न के पूर्णतः अनुरूप है।

सहकारिता
महेन्द्र तिवारी

भारत टैक्सी से ओला-उबर को चुनौती

> भारत टैक्सी का मूल विचार अमूल मॉडल से प्रेरित है, हज़ारों छोटे-छोटे हितधारकों को जोड़कर एक बड़ा, भरोसेमंद और सामूहिक ब्रांड खड़ा करना। जिस तरह अमूल ने दूध उत्पादकों को बाज़ार की ताक़त दी, उसी तरह भारत टैक्सी ड्राइवरों को सिर्फ सेवा प्रदाता नहीं, बल्कि सहकारी संस्था के सदस्य-साझेदार के रूप में देखती है। “सहकार टैक्सी कोऑपरेटिव लिमिटेड” के ज़रिए संचालित यह पहल ड्राइवरों को साझा टेक्नोलॉजी प्लेटफॉर्म, साझा मार्केटिंग और साझा मुनाफे का हिस्सा बनाती है। सहकारिता मंत्रालय के समर्थन और अमूल, इफको, नाबार्ड, एनसीडीसी जैसी संस्थाओं की भागीदारी इसे एक हद तक संस्थागत विश्वसनीयता भी देती है।

भारत टैक्सी का अमूल-आधारित सहकारी मॉडल भारत की ऐप-आधारित टैक्सी अर्थव्यवस्था में सिर्फ एक नया स्टार्ट-अप नहीं, बल्कि एक वैचारिक हस्तक्षेप के रूप में सामने आ रहा है। पिछले एक दशक में ओला-उबर जैसे प्लेटफॉर्मों ने शहरी मोबिलिटी को तेज़, सुलभ और तकनीक-संचालित बनाया, लेकिन इसके साथ ही गिग-इकोनॉमी का एक ऐसा चेहरा भी उभरा, जिसमें ड्राइवर ऊँचे कमीशन, अस्थिर आय, एल्गोरिद्मिक दंड और सर्ज प्राइसिंग की मार झेलते रहे। यात्रियों को भी कभी-कभी सुविधा के बदले अनियंत्रित किराया और सुरक्षा को लेकर असहजता स्वीकार करनी पड़ी। इसी पृष्ठभूमि में भारत टैक्सी एक ऐसे विकल्प के रूप में प्रस्तुत हो रही है, जो लाभ अधिकतमकरण की जगह सहकार, स्वामित्व और न्याय की भाषा बोलती है।

भारत टैक्सी का मूल विचार अमूल मॉडल से प्रेरित है, हज़ारों छोटे-छोटे हितधारकों को जोड़कर एक बड़ा, भरोसेमंद और सामूहिक ब्रांड खड़ा करना। जिस तरह अमूल ने दूध उत्पादकों को बाज़ार की ताक़त दी, उसी तरह भारत टैक्सी ड्राइवरों को सिर्फ सेवा प्रदाता नहीं, बल्कि सहकारी संस्था के सदस्य-साझेदार के रूप में देखती है। “सहकार टैक्सी कोऑपरेटिव लिमिटेड” के ज़रिए संचालित यह पहल ड्राइवरों को साझा टेक्नोलॉजी प्लेटफॉर्म, साझा मार्केटिंग और साझा मुनाफे का हिस्सा बनाती है। सहकारिता मंत्रालय के समर्थन और अमूल, इफको, नाबार्ड, एनसीडीसी जैसी संस्थाओं की भागीदारी इसे एक हद तक संस्थागत विश्वसनीयता भी देती है। दिल्ली और सौराष्ट्र क्षेत्र में पायलट के दौरान ही हज़ारों ड्राइवरों के जुड़ने का दावा बताता है कि यह विचार ज़मीन पर कुछ हद तक स्वीकार्यता पा रहा है।

ड्राइवर-केंद्रित दृष्टिकोण भारत टैक्सी की सबसे बड़ी विशिष्टता है। मौजूदा एग्रीगेटर प्लेटफॉर्मों पर 20 से 30 प्रतिशत तक कमीशन, जटिल इंसेंटिव संरचना और अकसर मनमाने बैन ड्राइवरों की सबसे बड़ी शिकायत रही है। भारत टैक्सी इन शिकायतों का जवाब न्यूनतम या शून्य कमीशन, नाममात्र प्लेटफॉर्म फीस और मुनाफे के सहकारी वितरण के ज़रिए देने का दावा करती है। प्रति राइड मिलने वाली आय का बड़ा हिस्सा सीधे ड्राइवर तक पहुँचना, और अतिरिक्त अधिशेष का सदस्य-लाभांश के रूप में लौटना, इस मॉडल को रोज़गार से आगे बढ़ाकर साझा स्वामित्व की दिशा में ले जाता है। प्रतीकात्मक रूप से ड्राइवरों को “सारथी” कहा जाना भी इसी सोच को रेखांकित करता है कि वे सिर्फ ऐप पर लॉग-इन करने वाले गुमनाम कर्मी नहीं, बल्कि नीति और दिशा तय करने वाले भागीदार हैं। यात्रियों के लिए भारत टैक्सी का आकर्षण पारदर्शिता और स्थिरता में निहित है। सर्ज प्राइसिंग पर रोक और पहले से तय किराया-ब्रैकेट इस वादे के साथ आते हैं कि पीक ऑवर, बारिश या किसी आपात स्थिति में किराया अचानक कई गुना नहीं बढ़ेगा। न्यूनतम किराया, प्रति किलोमीटर दर और दूरी के हिसाब से घटती कीमतें एक ऐसे ढांचे का संकेत देती हैं जिसमें सेवा को सार्वजनिक उपयोगिता के करीब लाने की कोशिश है, न

कि केवल अधिकतम मुनाफे का साधन बनाने की। मल्टीलिंगुअल इंटरफेस, रियल-टाइम ट्रैकिंग, 24x7 कस्टमर सपोर्ट और भविष्य में मेट्रो जैसे ट्रांज़िट सिस्टम से इंटीग्रेशन का वादा यह दिखाता है कि यह पहल तकनीकी अनुभव में निजी कंपनियों से पीछे नहीं रहना चाहती। फिर भी, इस सहकारी सपने के सामने चुनौतियां कम नहीं हैं। तकनीकी स्तर पर ओला-उबर जैसे दिग्गजों के पास वर्षों का डेटा, परिष्कृत एल्गोरिद्म और विशाल सर्वर इंफ्रास्ट्रक्चर है। दो मिनट के भीतर पिक-अप, कम कैंसिलेशन और निर्बाध ऐप अनुभव देना केवल विचारधारा से संभव नहीं, इसके लिए भारी तकनीकी निवेश और दक्ष प्रबंधन चाहिए।

जैसे-जैसे भारत टैक्सी अधिक शहरों और भौगोलिक क्षेत्रों में फैलेगी, सहकारी शासन की जटिलताएँ भी बढ़ेंगी—निर्णय-प्रक्रिया की गति, स्थानीय हितों का टकराव और पेशेवर प्रबंधन व सदस्य-लोकतंत्र के बीच संतुलन बनाए रखना आसान नहीं होगा। एक और बड़ी बाधा उपभोक्ता आदतों की है। ओला-उबर अब सिर्फ सेवाएँ नहीं, बल्कि शहरी जीवनशैली का हिस्सा बन चुके हैं। उनके ऐप खोलना, किराया स्वीकार करना और यात्रा शुरू करना एक स्वाभाविक क्रिया बन गई है। भारत टैक्सी को इस आदत को तोड़ने के लिए नैतिक अपील से आगे बढ़कर लगातार बेहतर, भरोसेमंद और सहज अनुभव देना होगा। यदि सेवा में देरी, ड्राइवर उपलब्धता की कमी या तकनीकी खामियाँ रहीं, तो सहकारी विचार का आकर्षण जल्दी फीका पड़ सकता है।

इसके बावजूद भारत टैक्सी का महत्व उसके तत्काल व्यावसायिक भविष्य से कहीं बड़ा है। यह पहल यह प्रश्न उठाती है कि क्या प्लेटफॉर्म अर्थव्यवस्था अनिवार्य रूप से वेंचर-कैपिटल संचालित, प्रॉफिट-मैक्सिमाइज़िंग मॉडल तक सीमित रहेगी, या उसमें सहकारी, श्रमिक-केंद्रित विकल्पों के लिए भी जगह बन सकती है। यदि यह प्रयोग सफल होता है और ड्राइवरों की आय व गरिमा में वास्तविक सुधार लाता है, तो यह उदाहरण फूड डिलीवरी, लॉजिस्टिक्स और अन्य गिग-आधारित क्षेत्रों में भी दोहराया जा सकता है। और यदि यह आंशिक या सीमित स्तर पर ही टिक पाता है, तब भी यह बहस को मजबूर करेगा कि तकनीक का इस्तेमाल केवल पूँजी के हित में हो या समाज के व्यापक हित में।

अंततः भारत टैक्सी को एक प्रयोग के रूप में देखना अधिक यथार्थवादी होगा। एक ऐसा प्रयोग जिसमें सरकारी-सहकारी समर्थन और सामूहिक स्वामित्व की ताक़त है, लेकिन बाज़ार की प्रतिस्पर्धा और तकनीकी चुनौतियों का दबाव भी उतना ही वास्तविक है। आने वाले वर्षों में यह तय होगा कि टैक्सियों का यह “अमूल मॉडल” भारतीय मोबिलिटी इकोसिस्टम में एक नई धारा बनता है या समानांतर, सीमित-कक्षा का विकल्प बनकर रह जाता है। पर इतना स्पष्ट है कि इसने प्लेटफॉर्म अर्थव्यवस्था की दिशा पर एक ज़रूरी और समयोचित सवाल खड़ा कर दिया है और यही किसी भी संपादकीय रूप से महत्वपूर्ण पहल की असली कसौटी है। यूनियन होम एंड कोऑपरेशन मिनिस्टर सहित अन्य अधिकारियों ने इस योजना का समर्थन किया है और इसे देश में एक स्थानीय और पारदर्शी राइड हेलिंग ऑप्शन के रूप में पेश किया है। कहा गया है कि इस पहल से ना केवल ड्राइवरों की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी, बल्कि भारतीय राइड शेयरिंग उद्योग में भी प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी।

(लेखक स्वतंत्र स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

गणित दिवस
बाल मुकुन्द ओझा

गणितीय जगत के बेजोड़ नक्षत्र थे रामानुजन

आज 22 दिसंबर के दिन हर वर्ष राष्ट्रीय गणित दिवस मनाया जाता है। यह दिन महान गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन की जयंती के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। यह दिन देश के महान गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन को समर्पित है जिनका जन्म 22 दिसंबर, 1887 को तमिलनाडु राज्य के इरोड नामक स्थान पर हुआ था। महान गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन ने 100 साल पहले गणित की जो गुत्थियां सुलझाई थीं, वह आज भी विज्ञान की दुनिया को हैरान कर रही हैं। रामानुजन को आधुनिक काल के महान गणित विचारकों में गिना जाता है। उन्होंने अपने जीवनकाल में गणित के विश्लेषण एवं संख्या सिद्धांत के क्षेत्रों में गहन योगदान दिया। रामानुजन को गणित में कोई विशेष प्रशिक्षण नहीं मिला था इसके बावजूद इन्होंने अपनी प्रतिभा और लगन से ना केवल गणित के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य किए अपितु भारत को वैश्विक स्तर पर गौरव प्रदान कराने का भी काम किया था। राष्ट्रीय गणित दिवस को मनाने का उद्देश्य लोगों में गणित के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। भारत और गणित का रिश्ता बहुत अटूट रहा है। माना जाता है कि भारत ही वह देश है जिसने पूरी दुनिया को गणित के सबसे महत्वपूर्ण अंक ‘शून्य’, नकारात्मक संख्या, दशमलव प्रणाली, बीजगणित, त्रिकोणमिति जैसे विषयों से अवगत कराया था। ऐसा देखा गया है कि हमारी आज की युवा पीढ़ी गणित के नाम से अपने पैर पीछे खींच लेती है। हम अपना हर छोटा मोटा हिसाब आजकल मोबाइल पर करने लगे हैं। आज भी पुरानी पीढ़ी के लोग जोड़ बाकी अँगुलियों पर करते हैं और नई पीढ़ी के युवा मोबाइल का सहारा लेते हैं। नई तकनीक ने हालांकि गणित को हल करने में सरलता कर दी है। इसके बावजूद गणित के प्रति हमारा रवैया सकारात्मक नहीं है। लोगों में गणित के प्रति जागरूकता और उत्साह उत्पन्न करने के लिए इस दिवस को मानते हैं। इस दिन गणित के शिक्षकों और छात्रों को इस विषय को आसान बनाने और लोगों के बीच इसकी लोकप्रियता बढ़ाने के लिए ट्रेनिंग दी जाती है। देश के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने 22 दिसंबर 2012 को चेन्नई में महान गणितज्ञ श्रीनिवास अयंगर रामानुजन की 125वीं वर्षगाठ के मौके पर आयोजित एक कार्यक्रम में श्रीनिवास रामानुजन को श्रद्धांजलि देते हुए वर्ष 2012 को राष्ट्रीय गणित वर्ष और साथ ही उनके जन्मदिन के अवसर पर 22 दिसंबर को राष्ट्रीय गणित दिवस घोषित किया। तभी से 22 दिसंबर को हर साल राष्ट्रीय गणित दिवस मनाया जाता है। इस अवसर पर शिक्षण संस्थाओं में विभिन्न आयोजनों के माध्यम से रामानुजन को याद किया जाता है और गणित के महतत्व की जानकारी दी जाती है। रामानुजन को बचपन से ही गणित में काफी रुचि थी। उन्होंने किसी भी तरह की कोई औपचारिक शिक्षा नहीं ली थी लेकिन उन्होंने अपने जीवन में ऐसी-ऐसी खोजें कीं कि बड़े-बड़े गणितज्ञ हतप्रभ रह गए। रामानुजन ने 12 साल की उम्र में त्रिकोणमिति में महारत हासिल कर ली थी और बिना किसी की सहायता के खुद से कई प्रमेय भी विकसित किए। उनका यह कार्य ऐतिहासिक माना गया था। रामानुजन की प्रतिभा का पता इसी से लगाया जा सकता है कि जब वह सातवीं कक्षा में पढ़ते थे तो उसी समय ये बी. ए. के छात्रों को गणित पढ़ाया करते थे। लोनी के द्वारा प्रसिद्ध त्रिकोणमिति जिसे हल करने में बड़े-बड़े गणितज्ञ असफल हो जाया करते थे, मगर इन्होंने अपनी मात्र 13 वर्ष की अल्पायु में ही हल करके अपनी प्रतिभा को प्रमाणित कर दिया था। उनके बारे में यह कहा जाता था कि वे गणित के किसी भी प्रश्न को सबसे अधिक आसान तरीके से हल कर सकते थे। उनकी इसी विलक्षण प्रतिभा ने इनको विश्व में गणित का गुरु होने का दर्जा दिलाया था। गणित के क्षेत्र में किए गए कार्यों की वजह से इनका नाम इतिहास के पन्नों में स्वर्णिम अक्षरों में अंकित किया गया है। इन्होंने अपने कार्यों के द्वारा भारत के सम्मान में भी चार चाँद लगाए। टीबी की बीमारी की वजह से रामानुजन का 32 साल की उम्र में उनका निधन हो गया।

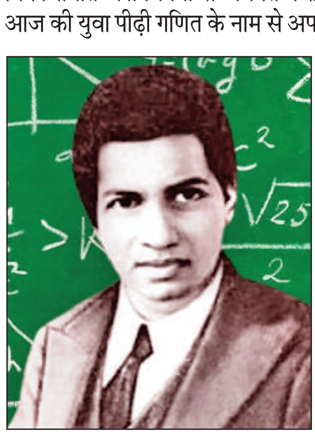

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

गावत संतत संभु भवानी

संकलित
दर्शन

शिव वो हैं, जो सब कुछ सहजता के साथ लेते हैं। शिव भक्ति का एक अर्थ यह भी है कि सब कुछ सहजता के साथ किया जाए और सब कुछ सहजता के साथ लिया जाए। व्यक्ति मुस्कुराए तो सहजता के साथ और रोये तो भी सहजता के साथ। भगवान शिव इतने सहज हैं कि देवों के देव होने के बावजूद वो नाचते भी हैं, गाते भी हैं, मुस्कुराते भी हैं। जैसे महाभारत में कृष्ण ने गीता गाई, तुलसीदास श्रीरामचरितमानस गाते हैं, वैसे ही भगवान शिव भी गाते हैं। भगवान शिव ने माथे पर वक्रचंद्र को धारण किया है। यह एक संकेत है कि तुम में चाहे कितनी ही वक्रता हो, मैं तुम्हें स्वीकार कर लूंगा। सब कुछ स्वीकार कर लेना बहुत बड़ी बात होती है। कोई कैसा भी हो, उसे स्वीकार कर लिया जाए। हम स्वीकार करने के बजाय दूसरों को सुधारने में लग जाते हैं और यह काम कभी हो नहीं पाता। इससे अकारण ही संघर्ष पैदा होता है। शिव सहज भी हैं और सबको स्वीकार भी करते हैं, साथ ही उनमें संतोष भी है। सावन के इन दिनों में शिव की भक्ति करते हुए हम उनकी तरह संतोषी बनना भी सीखें। मैं हमेशा कहता हूं कि व्यक्ति को कर्मशील होना चाहिए, प्रमादी नहीं। शास्त्रों में प्रमाद को मृत्यु बताया गया है। लेकिन शिवजी की तरह संतुलन रखना भी हमें आना चाहिए। शिव परिवार में वाहन के रूप में मोर भी है, चूहा भी है, बैल भी है और शेर भी है। सांप भी शिव के साथ रहते हैं। ये सब एक-दूसरे के शत्रु हैं, लेकिन परिवार में सब मिल-जुल कर रहते हैं। सबके बीच संतुलन बनाकर भगवान महादेव चलते हैं।

मानवता भीतर के संस्कारों से पनपती है

संकलित
प्रेरणा

टीएन शेषन जब मुख्य चुनाव आयुक्त थे, तो परिवार के साथ छुट्टियां बिताने के लिए मसूरी जा रहे थे। परिवार के साथ उत्तर प्रदेश से निकलते हुऐ रास्ते में उन्होंने देखा कि पेड़ों पर गौरैया के कई सुन्दर घोंसले बने हुए हैं। यह देखते ही उनकी पत्नी ने अपने घर की दीवारों को सजाने के लिए गौरैया के दो घोंसले लेने की इच्छा व्यक्त की तो उनके साथ चल रहे पुलिसकर्मियों ने तुरंत एक छोटे से लड़के को बुलाया, जो वहां मवेशियों को चरा रहा था। उसे पेड़ों से तोड़ कर दो गौरैया के घोंसले लाने के लिए कहा। लडके ने इंकार में सर हिला दिया। शेषन ने इसके लिए लड़के को 10 रुपए देने की पेशकश की। फिर भी लड़के के इनकार करने पर शेषन ने बढ़ा कर 50 रुपए देने की पेशकश की। फिर भी लड़के ने हामी नहीं भरी। पुलिस ने तब लड़के को धमकी दी और उसे बताया कि साहब जज हैं और तुझे जेल में भी डलवा सकते हैं। गंभीर परिणाम भुगतने पढ़ेंगे। लड़का तब श्रीमती और शेषन के पास गया और कहा- साहब, मैं ऐसा नहीं कर सकता। उन घोंसलों में गौरैया के छोटे बच्चे हैं अगर मैं आपको दो घोंसले दूं, तो जो गौरैया अपने बच्चों के लिए भोजन की तलाश में बाहर गई हुई है, जब वह वापस आएगी और बच्चों को नहीं देखेगी तो बहुत दुःखी होगी जिसका पाप मैं नहीं ले सकता। यह सुनकर टीएन शेषन दंग रह गए। शेषन ने अपनी आत्मकथा में लिखा हैः मेरी स्थिति, शक्ति और आईएएस की डिग्री सिर्फ उस छोटे, अनपढ़, मवेशी चराने वाले लड़के द्वारा बोले गए शब्दों के सामने पिघल गई।

अंतर्मन

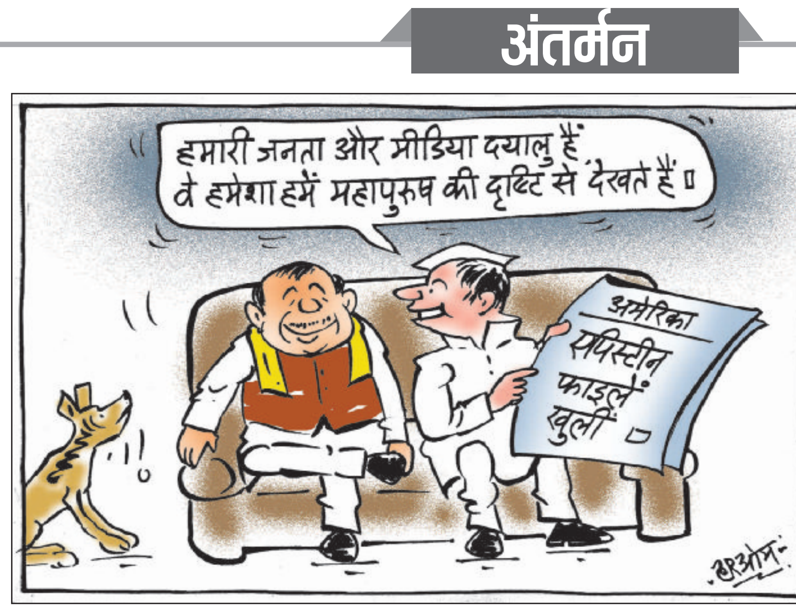

आज की पाती

सरकारी इमारतें नेताओं के नाम पर क्यों

हमारा देश दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। यहां आमजन द्वारा चुने हुए नेता ही सत्ता पर विराजमान होते हैं। इस कारण इनका परम कर्त्तत्व है कि वो आमजन के लिए ज्यादा से ज्यादा काम करें। लेकिन नेताओं के नाम से सरकारी इमारतें नहीं होनी चाहिए, क्योंकि इस मुद्दे पर विधानसभा सत्र में बेवजह का हो हल्ला होगा, जिससे कीमती समय भी बर्बाद होगा। इसलिए सरकारी इमारतों का नाम उन शहीदों के नाम से होना चाहिए जिन्होंने देश की सुरक्षा की खातिर अपनी जान न्यौछावर कर दी है। प्रदेश के बहुत से युवाओं ने सेना में भर्ती होकर देश की रक्षा की खातिर अपनी कुर्बानी दी है, कारगिल में भी प्रदेश के जवानों ने भी पाकिस्तान को करारी मात देने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है। *– किशोर कुमार, रायपुर*

करंट अफेयर

भारत ने चक्रवात से उबरने श्रीलंका में सहायता पहुंचाई

भारत चक्रवात ‘दित्वा’ से हुए विनाश के बाद उबरने में श्रीलंका की मदद करने के लिए उसे मानवीय और बुनियादी ढांचा संबंधी सहायता लगातार मुहैया करा रहा है। ऑपरेशन सागर बंधु के तहत भारत ने प्रभावित समुदायों की मदद करने और क्षतिग्रस्त संपर्क सुविधा को फिर से बहाल करने के लिए इंजीनियरिंग एवं चिकित्सकीय दलों को तैनात किया है। एक विज्ञप्ति में कहा गया है, श्रीलंका को भारत की निरंतर सहायता के तहत, कोलंबो में स्थित भारतीय उच्चायोग, कैंडी में स्थित सहायक उच्चायोग और जाफना में स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने चक्रवात दित्वा से प्रभावित परिवारों के लिए देश के विभिन्न हिस्सों में मानवीय सहायता अभियान चलाया। 18 दिसंबर को भारतीय उच्चायुक्त संतोष झा ने कोलोनावा में ‘ऑल सीलोन सूफी स्पिरिचुअल एसोसिएशन’ के साथ समन्वय में प्रभावित परिवारों के बीच राहत किट वितरित कीं और कोलंबो के इस्कॉन मंदिर में भक्तिवेदांत चिल्ड्रन होम ‘गोकुलम’ के बच्चों को सहायता भी पहुंचाई। विज्ञप्ति में कहा गया है, ‘इस महीने की शुरुआत में, उच्चायुक्त ने दृष्टिबाधित लोगों के गांव नयनलोकगामा के निवासियों और गंपाहा जिले के नेगोम्बो में प्रभावित परिवारों के बीच भी सहायता वितरित की।’

ऑफ बीट

खुद सब्जियां उगाने वाले कम भोजन करते हैं बर्बाद

जीवन यापन के बढ़ते खर्च से लोगों, विशेष रूप से कम आय वाले (जिनका आहार अक्सर समुचित नहीं होता है), के लिए स्वस्थ आहार का खर्च उठा पाना कठिन होता जा रहा है। इसके बावजूद, ब्रिटेन में घरों में हर साल आश्चर्यजनक मात्रा में भोजन बर्बाद होता है। इसमें लगभग 68 किलोग्राम फल और सब्जियां भी शामिल है। खाने की बर्बादी न केवल आपकी जेब पर भारी पड़ती है, बल्कि यह पर्यावरण के लिए भी हानिकारक है। वैश्विक स्तर पर, हर साल 1.3 अरब टन भोजन बर्बाद हो जाता है, जिससे दुनिया के ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन का लगभग आठ प्रतिशत उत्पन्न होता है। ये उत्सर्जन खाद्य आपूर्ति श्रृंखला के सभी चरणों में अप्रयुक्त भोजन से उत्पन्न होता है। हमारे हालिया अध्ययन से हालांकि पता चला है कि जो लोग बगीचों और आवंटित जमीनों में फसल और सब्जियां स्वयं उगाते हैं, वे औसतन केवल 3.4 किलोग्राम फल और सब्जियां बर्बाद करते हैं – जो ब्रिटेन के औसत से 95 प्रतिशत कम है। इन परिवारों ने भोजन की बर्बादी को कम करने के लिए विभिन्न प्रथाओं को अपनाया, जिसमें अपनी अतिरिक्त उपज को संरक्षित करना या किसी अन्य को दे देना भी शामिल है। हाल के वर्षों में ब्रिटेन और अन्य जगहों पर बगीचों, सामुदायिक उद्यानों और आवंटित भूमि पर ताजा फसल एवं सब्जियां उगाने में दिलचस्पी फिर से बढ़ी है।

ट्रेंड

असम के संसाधन

कांग्रेस की सरकारों ने असम और पूर्वोत्तर को विकास से दूर रखने का जो पाप किया था, उसका बड़ा खामियाजा देश की सुरक्षा को उठाना पड़ा। बीते 11 वर्षों में हमारे प्रयासों से यह सुनिश्चित हुआ है कि असम के संसाधन वहां के लोगों के ही काम आएं।
-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

नए रोज़गार और अवसर

मज़बूत नीतियों और दूरदर्शी निर्णयों के कारण भारत की अर्थव्यवस्था तेज़ी से आगे बढ़ रही है। टेक्सटाइल, हस्तशिल्प, गिग इकॉनमी और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे क्षेत्रों में हो रही प्रगति से युवाओं, महिलाओं, कारीगरों और एमएसएमई के लिए नए रोज़गार और अवसर सृजित हो रहे हैं।
-अन्नपूर्णा देवी, महिला विकास मंत्री

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा

शिक्षा शेरनी का दूध है, जो पिएगा वही दहाड़ेगा। शिक्षक समाज के कर्णधार होते हैं। सरकार शिक्षकों के सम्मान, सशक्तीकरण और सहयोग एवं विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए सदैव प्रतिबद्ध है।
-भजनलाल शर्मा, सीएम, राजस्थान

सुरक्षा व बचाव के उपाय

असम में राजधानी एक्सप्रेस की दुर्घटना में 7 हाथियों की मौत दुर्भाग्यपूर्ण है। पशुओं का जीवन-चक्र में अलग महत्व होता है। सरकार को ऐसे संवेदनशील क्षेत्रों में जानवरों की सुरक्षा व बचाव के उपाय करने चाहिए।
- अखिलेश यादव, सांसद, सपा

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर
फोन: 401050,271016,फैक्स-271018
ई-मेल: haribhoomibsp@gmail.com
वेब-साइट: www.haribhoomi.com

आनंद का सच्चा भाव®

18 कैरेट रेट* (75.00%) =	₹99522/-
22 कैरेट रेट* (91.60%) =	₹121550/-
24 कैरेट रेट* (99.99%) =	₹132683/-

सोने का भाव* प्रति 10 ग्राम | GST Extra

*Conditions apply

aNaND® Jewels

Pandri, Raipur

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

बिलासपुर, सोमवार 22 दिसंबर 2025

रेल सफर महंगा, 215 किमी से अधिक यात्रा पर नई दरें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

अलग खबर

रेल मंत्रालय ने रविवार को घोषणा की कि 215 किलोमीटर से अधिक की यात्रा के लिए साधारण श्रेणी के टिकट में प्रति किलोमीटर एक पैसा और मेल/एक्सप्रेस रेलगाड़ियों की गैर-वातानुकूलित श्रेणी व सभी ट्रेन की वातानुकूलित श्रेणियों में प्रति किलोमीटर दो पैसे की वृद्धि की जाएगी। नयी दरें 26 दिसंबर 2025 से प्रभावी होंगी। अधिकारियों ने कहा, उपनगरीय रेलगाड़ियों के मासिक सीजन टिकट और अन्य ट्रेन में 215 किलोमीटर तक की साधारण श्रेणी की यात्रा के किराए में कोई वृद्धि नहीं की गई है। उन्होंने कहा कि किराए में इस बढ़ोतरी से रेलवे को 31 मार्च 2026 तक करीब 600 करोड़ रुपये का अतिरिक्त राजस्व मिलने की उम्मीद है। रेल मंत्रालय के अनुसार, जुलाई 2025 में की गई किराया वृद्धि से अब तक लगभग 700 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हो चुका है।

यहां हुई किराए में बढ़ोतरी

- लंबी दूरी की यात्रा करने वालों के लिए किराए में मामूली बढ़ोतरी की गई है। 215 किलोमीटर से अधिक की दूरी पर साधारण श्रेणी में यात्रा करने पर प्रति किलोमीटर 1 पैसा ज्यादा लगेगा।
- मेल और एक्सप्रेस ट्रेनों के नॉन-एसी कोचों और सभी एसी क्लास में प्रति किलोमीटर 2 पैसे की बढ़ोतरी होगी।
- रेलवे ने उदाहरण देते हुए बताया कि 500 किलोमीटर की नॉन-एसी यात्रा पर केवल 10 रुपए अतिरिक्त लगेंगे।

क्यों बढ़ाया किराया?

रेलवे अधिकारियों का कहना है कि यह किराया युक्तिकरण पिछले एक दशक में रेलवे नेटवर्क और संचालन के बड़े विस्तार को देखते हुए किया गया है। रेलवे के संचालन की मांग बढ़ी है। सुरक्षा उपायों को मजबूत करने के लिए कर्मचारियों की संख्या भी बढ़ाई गई है, जिससे खर्चों में वृद्धि हुई है। कर्मचारियों पर होने वाला खर्च बढ़कर 1.15 लाख करोड़ रुपए हो गया है, जबकि पेंशन का खर्च 60,000 करोड़ रुपए तक पहुंच गया है। साल 2024-25 के लिए कुल परिचालन लागत 2.63 लाख करोड़ रुपए हो गई है।

इन्हें मिली बढ़ोतरी से छूट

- नई व्यवस्था के तहत लोकल ट्रेनों और मासिक सीजन टिकट के किराए में कोई इजाफा नहीं होगा।
- साधारण श्रेणी में 215 किलोमीटर तक की यात्रा करने वाले यात्रियों को भी पुराने किराए का ही भुगतान करना होगा।

रायपुर से दिल्ली तक का सफर 13 से 26 रुपए महंगा

भारतीय रेलवे ने लंबी दूरी की यात्रा के लिए किराए में बढ़ोतरी की घोषणा की है। यह नया किराया 26 दिसंबर 2025 से लागू होगा। 215 किलोमीटर से ज्यादा का सफर करने वाले यात्रियों को अब हर किलोमीटर के लिए 1 से 2 पैसे अतिरिक्त चुकाने होंगे। ऐसे में अब रायपुर से मुंबई, दिल्ली, अंबिकापुर, नागपुर समेत महानगर जाने ट्रेन का सफर थोड़ा महंगा हो जाएगा।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

बता दें कि रायपुर से मुंबई की दूरी 1130 किलोमीटर है। ट्रेन का स्लीपर में किराया 565 और थर्ड एसी में 1475 है, जो नए नियम के बाद अब स्लीपर में 1 पैसे के हिसाब से 11.30 रुपए बढ़ जाएंगे। यात्रियों को 565 की जगह 576 देने होंगे। 2 पैसे के अनुसार 22.60 अधिक देने पड़ सकते हैं। इसी तरह रायपुर ▶▶| शेष पेज 2 पर

राष्ट्रपति मुर्मू ने 'विकसित भारत-जी राम जी विधेयक, 2025' को दी मंजूरी

ग्रामीण परिवार को अब साल में 100 की जगह 125 दिन की रोजगार गारंटी

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) यानी वीबी जी राम जी बिल 2025 को मंजूरी दे दी है। इसके साथ ही देश की प्रमुख ग्रामीण रोजगार योजना में बड़े बदलाव का रास्ता साफ हो गया है। नए कानून के तहत सबसे बड़ा बदलाव यह है कि ग्रामीण परिवारों को मिलने वाली रोजगार गारंटी 100 दिन से बढ़ाकर 125 दिन प्रति वित्तीय वर्ष कर दी गई है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के बाद करीब दो दशक पुराना महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) अब नए कानूनी ढांचे से बदल दिया गया है, जिसे सरकार के विकसित भारत 2047 के विजन से जोड़ा गया है। नए कानून के तहत सबसे बड़ा बदलाव यह है कि ग्रामीण परिवारों को मिलने वाली रोजगार गारंटी 100 दिन से बढ़ाकर 125 दिन प्रति वित्तीय वर्ष कर दी गई है। सरकार ने इसे लाभों के विस्तार के रूप में पेश किया है और कहा है कि पहले 100 दिनों की सीमा ▶▶| शेष पेज 2 पर

करीब दो दशक पुराना मनरेगा में किया गया बदलाव

अब केंद्र- राज्य की साझा फंडिंग

फंडिंग व्यवस्था में भी अहम बदलाव किया गया है। मनरेगा में जहां मजदूरी का पूरा खर्च केंद्र सरकार उठाती थी, वहीं नए वीबी-जी रैम जी ढांचे में केंद्र और राज्य सरकारों के बीच साझा फंडिंग का प्रावधान किया गया है।

विपक्ष ने किया कड़ा विरोध

हालांकि केंद्र सरकार का कहना है कि यह कानून विकसित भारत 2047 के लक्ष्य के अनुरूप है, वहीं विपक्ष ने इसका कड़ा विरोध किया है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने कानून के नाम से ▶▶| शेष पेज 2 पर

काम के दायरे को किया सीमित

नए कानून में पहली बार यह प्रावधान भी जोड़ा गया है कि बुआई और कटाई के पीक सीजन के दौरान ग्रामीण रोजगार को अधिकतम 60 दिनों तक रोका जा सकता है। सरकार का तर्क है कि इससे खेती के अहम समय में मजदूरों की उपलब्धता बनी रहेगी और किसानों की मजदूरों की कमी की शिकायत दूर होगी। काम के दायरे को भी सीमित किया गया है।

ग्रामीण श्रमिकों के सम्मान और अधिकारों की मजबूत गारंटीः साय

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि विकसित भारत–जी राम जी ग्रामीण गरीबों, श्रमिकों और

मेहनतकश मजदूर वर्ग के जीवन में भरोसा, सम्मान और सुरक्षा सुनिश्चित करने की सशक्त व्यवस्था है। यह अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक समय पर काम, पूरा पारिश्रमिक और पारदर्शी व्यवस्था पहुंचाने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विकसित भारत–जी राम जी के माध्यम से यह सुनिश्चित करने का प्रयास ▶▶| शेष पेज 2 पर

सदमे में परिवार, क्षेत्र में शोक

टैंकर से टकराई कार, एक ही परिवार के तीन की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सूरजपुर

शनिवार को एनएच 130 पर हुए भीषण सड़क हादसे में एक महिला समेत तीन लोगों की मौत हो गई। तीनों एक ही परिवार के सदस्य थे और उपचार कराने के लिए बिलासपुर हॉस्पिटल जा रहे थे। इस दौरान ओवर टेक करते समय उनकी कार टैंकर से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी की एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई जबकि दो लोगों ने उपचार के दौरान अस्पताल में दम तोड़ दिया। रविवार को तीनों मृतकों के नगर में पहुंचे जहां देर शाम एक साथ तीन जनाजे उठे। एक ही ▶▶| शेष पेज 2 पर

एक साथ निकले तीन जनाजे

सड़क हादसे में एक ही परिवार से तीन लोगों के मौत की सूचना मिलने के बाद नगर में शोक का माहौल निर्मित हो गया। देर शाम तक तीनों मृतकों के शव उनके मजिस्दपारा स्थित निवास पर लाए गए, जिसके बाद लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा। घटना के बाद परिजन का रो-रोकर बुरा हाल है। मृतक अजहर शेख उर्फ जुगनू अपने पीछे 4 साल और 2 साल की दो मासूम बेटियों को छोड़ गए हैं जिनके सिर से पिता का साया उठ गया। रविवार की देर शाम एक ही घर से तीन जनाजे निकले और स्थानीय कब्रिस्तान में उन्हें सुपुर्द खाक किया गया।

चुनावी बॉन्ड रद्द होने के बाद राजनीतिक पार्टियों का चंदा 3 गुना बढ़ा- रिपोर्ट

एजेंसी ▸▸। नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट द्वारा चुनावी बॉन्ड योजना रद्द किए जाने के बाद पहले वित्तीय वर्ष में राजनीतिक पार्टियों को मिले चंदे की जानकारी सामने आई है। 2024-25 में 9 चुनावी ट्रस्टों ने राजनीतिक पार्टियों को कुल 3,811 करोड़ रुपये का चंदा दिया। इसमें से सबसे ज्यादा (82 प्रतिशत) केंद्र में सत्तारूढ़ पार्टी भाजपा को मिला है। वहीं, कांग्रेस को केवल 299 करोड़ रुपये या कुल दान का 8 प्रतिशत मिला है।

भाजपा सबसे बड़ी लाभार्थी

सबसे ज्यादा 2,668 करोड़ रुपये प्रूडेंट इलेक्टोरल ट्रस्ट ने दिए हैं। इसमें से 2,180 करोड़ रुपये भाजपा को मिले है। इस ट्रस्ट को जिंदल स्टील एंड पावर, मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड, भारती एयरटेल, अरबिंदो फार्मा, टोरेंट फार्मास्यूटिकल्स आदि से धन मिला है। इसके बाद प्रोग्रेसिव इलेक्टोरल ट्रस्ट ने 914 करोड़ रुपये दिए, जिसमें से 757 करोड़ भाजपा को मिले। फिर न्यू डेमोक्रेटिक इलेक्टोरल ट्रस्ट ने 160 करोड़, हार्मनी ट्रस्ट ने 35 करोड़ और ट्रिअम्फ ने 25 करोड़ रुपये दिए।

कांग्रेस को कहां से कितना चंदा मिला?

कांग्रेस को प्रूडेंट चुनावी ट्रस्ट से 216.33 करोड़, एबी जनरल चुनावी ट्रस्ट से 15 करोड़, न्यू डेमोक्रेटिक इलेक्टोरल ट्रस्ट से 5 करोड़ और जन कल्याण इलेक्टोरल ट्रस्ट से 9.5 लाख रुपये मिले हैं। ट्रस्टों के जरिए मिली यह राशि 2023-24 में बॉन्ड से मिले 828 करोड़ की तुलना में कम है। 9 में से 5 ट्रस्ट ने कांग्रेस को कोई चंदा नहीं दिया। चिदंबरम ने भी 3 करोड़ का योगदान दिया।

सबसे ज्यादा भाजपा को 2,668, कांग्रेस को मिले 299 करोड़ रुपए

9 ट्रस्टों का चंदा एक साल में 200 प्रतिशत बढ़ा

एक रिपोर्ट के मुताबिक, वर्तमान में पंजीकृत 19 चुनावी ट्रस्टों में से 13 चुनावी ट्रस्टों के चंदे से जुड़ी जानकारी चुनाव आयोग के पास उपलब्ध थी। इनमें से 9 ट्रस्टों ने पार्टियों को कुल 3,811 करोड़ रुपये के योगदान की घोषणा की। ये पिछले वित्त वर्ष में दिए गए चंदे से 200 प्रतिशत से भी ज्यादा है। जनहित, परिवर्तन, जयहिंद और जयभारत ट्रस्ट ने 2024-25 में कोई भी

टाटा समूह ने दिए 914 करोड़ रुपये

टाटा समूह के प्रोग्रेसिव इलेक्टोरल ट्रस्ट ने 10 पार्टियों को 914 करोड़ रुपये दिए। सबसे ज्यादा 757 करोड़ रुपये (कुल राशि का 83 प्रतिशत) भाजपा को मिला। कांग्रेस को 77.3 करोड़, तृणमूल कांग्रेस, वायएसआर कांग्रेस, शिवसेना, बीजू जनता दल, बीआरएस, लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास), जेडीयू, डीएमके को 10-10 करोड़ रुपये मिले। टाटा समूह की 15 कंपनियों ने ये राशि दी थी। इनमें टाटा संस ने 308 करोड़, टीसीएस ने 217 करोड़ और टाटा स्टील ने 173 करोड़ रुपये दिए।

क्या होते हैं चुनावी ट्रस्ट

चुनावी ट्रस्ट एक पंजीकृत संस्था होती है, जिसके जरिए राजनीतिक चंदे को पारदर्शी तरीके से पार्टियों तक पहुंचाया जाता है। कंपनियां राजनीतिक पार्टियों को सीधे दान नहीं देती इसलिए वे चुनावी ट्रस्ट के जरिए पार्टियों तक चंदा पहुंचाती हैं।

खबर संक्षेप

शबरीमला में 27 को होगी मंडला पूजा

शबरीमला। केरल स्थित शबरीमला भगवान अयप्पा मंदिर में 27 दिसंबर को सुबह 10 बजकर 10 मिनट से पूर्वाह्न 11.30 बजे के बीच मंडला पूजा का आयोजन किया जाएगा। मंदिर के मुख्य पुजारी कंडारारू महेश मोहनारू ने बताया कि भगवान अयप्पा को पहनाई जाने वाली 'स्वर्ण अंकी' (पवित्र सोने की पोशाक) शोभायात्रा के दौरान शबरिमला में लाई जाएगी। यह शोभायात्रा 23 दिसंबर को सुबह सात बजे अरनमुला पार्थसारथी मंदिर से शुरू होगी और 26 दिसंबर की शाम को दीपाराधना से पहले सन्निधानम पहुंचने की उम्मीद है।

अधिवक्ता हत्याकांड का आरोपी मुठभेड़ में ढेर

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश में सहारनपुर के गंगोह थानाक्षेत्र में रविवार तड़के एक अधिवक्ता की हत्या का मुख्य आरोपी एक लाख रुपये का इनामी बदमाश एसटीएफ के साथ मुठभेड़ में मारा गया। पुलिस ने बताया कि मारे गये बदमाश की पहचान सुलतानपुर जिले के निवासी सिराज अहमद के रूप में हुई, जो 2023 में अधिवक्ता आजाद अहमद की हत्या समेत हत्या के अन्य और हत्या के प्रयास के कई मामलों में वांछित था।

मां के पीछे चल रहे बच्चे पर तेंदुए का हमला, मौत

अमरेली। गुजरात के अमरेली जिले में रविवार सुबह एक तेंदुए ने एक खेती मजदूर के पांच वर्षीय बेटे पर हमला कर उसे मार डाला। घटना के बारे में सहायक वन संरक्षक प्रताप चंदू ने बताया कि सुबह करीब नौ बजे एक बच्चा अपनी मां के पीछे-पीछे चल रहा था कि तभी खेत में छिपकर बैठे तेंदुए ने उस पर हमला कर दिया।

कोलकाता में 'संघ के 100 वर्ष- नए क्षितिज' कार्यक्रम के पहले सत्र में संबोधन

भागवत बोले- संघ किसी राजनीतिक विचारधारा को लेकर नहीं बना, भाजपा के चश्मे से न देखें

आरएसएस के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने संघ की शताब्दी वर्ष व्याख्यानमाला में यह स्पष्ट किया कि संघ की स्थापना भारत को विश्व गुरु बनाने के लक्ष्य से की गई थी। उन्होंने कहा कि भारत केवल भूगोल नहीं है। यह एक संस्कृति की तरह है। संघ किसी राजनीतिक विचारधारा को लेकर नहीं बना। न ही किसी स्थिति की प्रतिक्रिया स्वरूप शुरू किया गया। इसका लक्ष्य हिंदुओं का विकास है।

एजेंसी ▸▸। कोलकाता

डॉ. मोहन भागवत ने लोगों को नसीहत दी कि वे संघ को भारतीय जनता पार्टी के जरिए देखने की कोशिश न करें, क्योंकि यह नजरिया गलत है। भागवत का यह बयान तब आया है, जब जर्मनी में राहुल गांधी ने उन्हें लेकर कहा था, 'आरएसएस चीफ खुले तौर पर कह रहे हैं कि सच नहीं, ताकत महत्वपूर्ण है।'

डॉ. भागवत ने ऐतिहासिक संदर्भ का हवाला देते हुए कहा कि 1857 के सिपाही विद्रोह के जरिए अंग्रेजों के विरुद्ध प्रयास किया गया मगर असफल रहा। बाद में सामने आया कि मात्र सशस्त्र क्रांति से अंग्रेजों को नहीं भगाया जा सकता है जिसके बाद संघ की स्थापना की गई। उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम की विभिन्न धाराओं का उल्लेख करते हुए संघ को सामाजिक सुधार और एकजुटता का माध्यम बताया है।

संघ को समझने इसे महसूस करना होगा

मोहन भागवत ने कहा कि आज पूरी दुनिया आरएसएस के नाम से वाकिफ है। लोग अक्सर आरएसएस को राजनीति या किसी एक पार्टी से जोड़कर देखते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि संघ को समझने के लिए अपने पुराने विचारों को किनारे रखना होगा और इसे भीतर से महसूस करना होगा। इसके बावजूद लोगों के मन में संघ के काम को लेकर सही धारणा नहीं है। कई बार तो संघ के शुभचिंतक भी इसके कार्यों की पूरी जानकारी नहीं रखते हैं।

भाजपा के चश्मे से देखने की गलती न करें

डॉ. भागवत ने कहा कि संघ को भाजपा के लेंस से देखने की कोशिश न करें। संघ सिर्फ एक सर्विस ऑर्गनाइजेशन नहीं है। भागवत ने कहा कि संघ को देखकर नहीं समझ सकते, उसे अनुभव करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि 'संघ आया है पूर्ण करने के लिए नष्ट करने को लेकर नहीं। संघ का काम किसी से प्रतिस्पर्धा या लाभ लेना नहीं है।

देश में चल रहे 1.20 लाख सेवा प्रकल्प

आरएसएस प्रमुख ने बताया कि आज देश भर में संघ 1 लाख 20 हजार से ज्यादा सेवा प्रकल्प चला रहा है। ये प्रकल्प समाज और देश के उत्थान के लिए निरंतर काम कर रहे हैं। भागवत ने कहा कि संघ का उद्देश्य किसी परिस्थिति की प्रतिक्रिया देना या किसी से मुकाबला करना नहीं था। संघ का गठन किसी के विरोध के लिए नहीं, बल्कि समाज को एक सूत्र में पिरोने के लिए हुआ था।

हिंदू सिर्फ नाम नहीं, पहचान है

संघ की स्थापना के समय की स्थितियों का जिक्र करते हुए भागवत ने कहा कि तब देश के हालात अच्छे नहीं थे। भारत लगातार बाहरी आक्रमण और गुलामी का दर्द झेल रहा था। ऐसे में हिंदू समाज को संगठित करने की जरूरत महसूस हुई। उन्होंने 'हिंदू' शब्द की परिभाषा भी स्पष्ट की। भागवत ने कहा कि हिंदू महज एक नाम नहीं, बल्कि एक विशेषण है। जो भारत को अपनी माता मानता है और उसकी पूजा करता है, वह हिंदू है। आरएसएस का लक्ष्य इसी समाज का सर्वांगीण विकास करना है।

टीएमसी विधायक बोले- बंगाल में बनाएंगे कृष्ण मंदिर और मोहम्मदी मस्जिद

बाबरी मस्जिद के बाद एक और ऐलान

एजेंसी ▸▸। कोलकाता

पश्चिम बंगाल में अगले साल विधानसभा चुनाव होने है, लेकिन उससे पहले ही सूबे की सियासत गरमा गई है। तृणमूल कांग्रेस के निलंबित विधायक हुमायूं कबीर ने बाबरी मस्जिद बनाने का ऐलान किया है, जिसको लेकर बवाल मचा हुआ है। इस बीच टीएमसी के विधायक जाकिर हुसैन ने श्री कृष्ण मंदिर और मुर्शिदाबाद में मोहम्मदी मस्जिद बनाने की घोषणा की है। तृणमूल कांग्रेस के विधायक और जाने-माने उद्योगपति जाकिर हुसैन ने घोषणा की है कि हुमायूं कबीर की बाबरी मस्जिद के बाद अब श्री कृष्ण मंदिर बनेगा, जिसकी लागत 1 करोड़ रुपए होगी। इसके साथ ही उन्होंने ये भी कहा है कि मुर्शिदाबाद में मोहम्मदी मस्जिद बनेगी। उन्होंने कहा है कि गीता और कुरान में 85% समानता है।

किंगमेकर बनने का दावा : हुमायूं कबीर ने बीते दिनों ही दावा किया था कि पश्चिम बंगाल में 2026 के विधानसभा चुनावों के बाद वह किंगमेकर के रूप में उभरेंगे। उन्होंने कहा था कि उनके प्रस्तावित नए राजनीतिक दल के समर्थन के बिना सूबे में कोई सरकार नहीं बन सकती। उन्होंने ये भी कहा कि 294 सदस्यीय विधानसभा में कोई भी पार्टी 148 सीटों का आंकड़ा पार नहीं कर पाएगी। उन्होंने कहा कि मेरे समर्थन के बिना कोई भी सरकार नहीं बना सकता।

जंगीपुर से विधायक हैं जाकिर हुसैन

जाकिर हुसैन मुर्शिदाबाद निर्वाचन क्षेत्र के जंगीपुर से टीएमसी के विधायक हैं। वो पश्चिम बंगाल के श्रम विभाग में राज्य मंत्री भी रह चुके हैं। हुसैन निर्वाचित सदस्य और एक सफल व्यवसायी हैं। पार्टी में शामिल होने से पहले, हुसैन बीड़ी के बड़े कारोबार में थे।

बाबरी मस्जिद बनाने पर अड़े हुमायूं : वहीं बात करें हुमायूं कबीर की तो वो पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के भरतपुर सीट से विधायक हैं। इन दिनों वो लगातार अपने बयानों को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। हुमायूं मुर्शिदाबाद के बेलडांगा में बाबरी मस्जिद बनाने पर अड़े हुए हैं। 6 दिसंबर को उन्होंने मस्जिद की आधारशिला रखी थी। उन्होंने अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ फीता काटकर मस्जिद की नींव रखी थी। पार्टी ने उन्हें निलंबित कर दिया था।

राशिफल

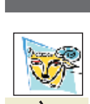
मेष — परिवार का साथ मिलेगा। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में वृद्धि के साथ स्थान परिवर्तन हो सकता है। वाणी में मधुरता रहेगी।

वृष — कारोबार पर ध्यान दें। कठिनाइयां आ सकती हैं। व्यर्थ की भागदौड़ बढ़ सकती है। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

मिथुन — लाभ में में वृद्धि होगी। परिश्रम अधिक रहेगा। कारोबार के लिए विदेश जा सकते हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। परिवार की समस्याओं पर ध्यान दें।

कर्क — सेहत का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों पर ध्यान केंद्रित करें। मान-सम्मान बढ़ेगा। बातचीत में संतुलन बनाए रखें। वाणी में कठोरता का प्रभाव हो सकता है।

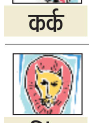
सिंह — कला या संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है। कारोबार से लाभ में वृद्धि होगी। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

कन्या — आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। शैक्षिक या शोधादि कार्यों के लिए विदेश जा सकते हैं। मन में निराशा एवं असन्तोष के भाव हो सकते हैं।

तुला — व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें।

वृश्चिक — पठन-पाठन में रुचि बढ़ेगी। नौकरी में तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। कार्यभार में वृद्धि होगी। स्थान परिवर्तन भी हो सकता है। आय में वृद्धि होगी।

धनु — जीवनसाथी से नोकझोंक हो सकती है। कुटुम्ब में मान-सम्मान की प्राप्ति के योग हैं। लंबी यात्रा पर जाना हो सकता है। सुखद परिणाम मिलेंगे।

मकर — व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। परिवार की समस्याएं परेशान कर सकती हैं। खर्चों की अधिकता रहेगी। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है।

कुंभ — नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा। आय में वृद्धि होगी। मन प्रसन्न रहेगा। दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

मीन — शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। मान-सम्मान मिलेगा। शासन-सत्ता का सहयोग रहेगा। कला एवं संगीत में रुचि बढ़ेगी। खर्च अधिक रहेंगे।

महाराष्ट्र निकाय चुनाव की मतगणना

एनडीए को 215, शिंदे की झोली में 58 उद्धव की सेना 10 सीटों पर सिमटी

भाजपा 120 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी

एजेंसी ▸▸। मुंबई

महाराष्ट्र में नगर परिषद और नगर पंचायत की सभी 288 सीटों पर हुए चुनाव के नतीजे या रुझान आ चुके हैं, जिसमें सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन ने स्पष्ट बढ़त हासिल की है। वहीं, महाविकास आघाड़ी को बड़ा झटका लगा है। महाराष्ट्र निकाय चुनाव में सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन को बंपर जीत हासिल हुई है। रविवार को जारी हुए 288 सीटों (246 नगर परिषदों और 42 नगर पंचायतों) के रिजल्ट में महायुति को 215 सीटों पर जीत मिली। हालांकि इन पंक्तियों के लिखे जाने तक काउंटिंग जारी रही। गठबंधन में भाजपा 120 सीटों पर जीत के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। एकनाथ शिंदे की शिवसेना को 58 सीटें, एनसीपी अजित को 37 सीटें मिलीं। वहीं, विपक्षी गठबंधन महाविकास अघाड़ी के हिस्से केवल 51 सीटें ही आईं। इसमें कांग्रेस 31, शिवसेना उद्धव को 10, शरद पवार की एनसीपी को केवल 10 सीटें ही मिलीं।

संजय राउत बोले- चुनाव में पैसों की बारिश हुई

शिवसेना (उद्धव) सांसद संजय राउत ने कहा- इस इलेक्शन में पैसों की बारिश हुई। भाजपा को 120-125 सीटें मिलीं, शिंदे ग्रुप को 54 मिलीं और अजित पवार को 40-42 सीटें मिलीं। ये नंबर असेंबली वाले ही हैं, है ना? वही मशीन, वही सेटिंग और वही पैसा। यही हमारी डेमोक्रेसी है। नंबरों में बिल्कुल भी बदलाव नहीं हुआ है। भाजपा ने मशीनें उसी तरह सेट की हैं। इसीलिए वही नंबर दिख रहे हैं। उन्हें कम से कम नंबर तो बदलने चाहिए थे।

2 चरणों में हुए थे चुनाव : महाराष्ट्र में 286 नगर परिषद और नगर पंचायतों के लिए 2 चरणों में चुनाव हुए थे। पहले चरण में 263 निकायों में 2 दिसंबर को वोट डाले गए थे। बाकी 23 नगर परिषदों और कई खाली पदों पर 20 दिसंबर को मतदान हुआ था।

पोलियो मुक्त भारत अभियान की शुरुआत...

कमालपुरा। कर्नाटक के कमालपुरा शहर में केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने छोटे बच्चों को पोलियो की दवा पिलाकर पोलियो मुक्त भारत अभियान की शुरुआत की।

शब्द पहेली - 6085

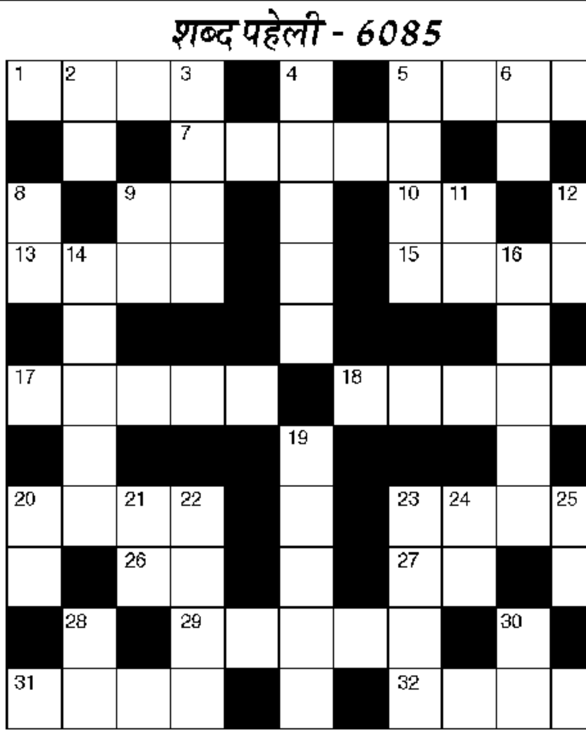

बाएँ से दाए-
1. सफल, उत्तीर्ण-4
5. ओस, रजनीजल-4
7. फरार होना, चंपत होना, पलायन करना-5
9. महीना, मास-2
10. साल का बारहवां भाग-2
13. पुचकारना-4
15. विष्णु, चक्रधारी-4
17. निरुत्तर होना-5
18. अपनत्व-5
20. असम के इस शहर को बादलों का घर कहा जाता है-4
23. निकृष्ट, अल्पतर-4
26. अंधकार-2
27. बुरा आदत-2
29. रसायन संबंधी-5
31. ब्राम्हण, सम्राट-4
32. गजानन, गणपति-4

ऊपर से नीचे
2. मां, आई, मदर-2
3. बारिश का गिरना-4
4. निर्माता, रचयिता-5
5. लजाना -4
6. मुलायम-2
8. उम्मीद-2
9. हार, जयमाल-2
11. हरे रंग का-2
12. वचन, प्रतिज्ञा-2
14. हैंडलूम, इस यंत्र पर धागों से बुनाई होती है-5
16. जनेऊ, उपनयन संस्कार-5
19. विलेन, नायक का विलोम-5
20. बादल-2
21. बुरी आदत-2
22. यम, मृत्यु का देवता-4
23. पानी के बहने की आवाज-2,2
24. वोट, अभिमत-2
28. इस जगह-2
30. कारावास, बंधन-2

शब्द पहेली -6084 का हल

सूडोकु नवताल - 6095

★★★★☆ कठिन

4							1	8
			6	7				2
			8					
	8	5						
	2			1			7	
						3	5	
					5			
1				4	7			
9	6							4

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6094 का हल

1	9	7	4	8	6	2	3	5
4	5	3	9	1	2	7	6	8
2	6	8	7	3	5	9	1	4
5	3	1	2	7	9	4	8	6
9	2	4	8	6	1	5	7	3
7	8	6	5	4	3	1	9	2
3	4	9	6	2	7	8	5	1
6	7	2	1	5	8	3	4	9
8	1	5	3	9	4	6	2	7

बिलासपुर
सोमवार 22 दिसंबर 2025
पौष शुक्ल पक्ष तृतीया
वर्ष : 25, अंक : 269
पृष्ठ : 12+6 = 18 मूल्य : 4.00***

मौसम
अधि. 26.5
न्यून. 11.8

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

नकली दवा मामले का संदेही भी

सारंगढ़ के कारोबारी के घर अवैध गोदाम, 50 लाख की दवाइयां बरामद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

इंदौर तक जाएगी टीम

सौ रुपए से कम लागत में बनने वाली नकली एंटीबायोटिक दवा को 295 रुपए की एमआरपी पर ग्राहकों को खपाए जाने की साजिश थी। नकली दवा के कारोबार का लिंक सारंगढ़ के बाद भाटापारा से जुड़ गया है। इस बात की आशंका भी पुष्ट होती जा रही है कि इस दवा का गोरखधंधा पहले भी पूरा हो चुका है। सारंगढ़ के कारोबारी के पास रिटेल का लायसेंस है मगर दवा का घर में गोदाम रखना अवैध था। वहां मिली दो और दवाओं को जांच के घेरे में लिया गया है।

नकली दवाओं का कनेक्शन भाटापारा तक, पहले भी आ चुकी खेप, तीन और दवाओं पर शक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि लगातार

गोगांव के ट्रांसपोर्ट में लावारिस हालत में मिली एंटीबायोटिक की नकली दवा का खेल धीरे-धीरे बढ़ा होता जा रहा है। जांच टीम के दायरे में सारंगढ़ के बाद भाटापारा का दवा व्यापारी भी आ गया है। प्रारंभिक पूछताछ में बात सामने आई है कि भाटापारा के एजेंसी संचालक की सारंगढ़ दवा भेजने में भूमिका है। मामला इसलिए भी गंभीर होता जा रहा है कि दवा की सप्लाई पहले भी राज्य में किए जाने की आशंका बढ़ती जा रही है। गोगांव के ट्रांसपोर्ट में बरामद की गई दवा की एमआरपी 295 रुपए है, मगर इसके निर्माण और उसे रिटेलर तक पहुंचाने की लागत सौ रुपए के लगभग है। जांच टीम ▶▶|शेष पेज 2 पर

सारंगढ़ के कारोबारी के पास रिटेल का लायसेंस दवा का जखीरा रखना नियम के विपरीत

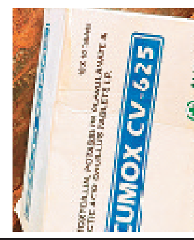

पुष्टि का प्रयास

दवा कारोबारी से पूछताछ के बाद मिली जानकारी के आधार पर लिंक जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। भाटापारा के दवा कारोबारी के ठिकानों से भी सैंपल लिए गए हैं।
- संजय नेताम, जिला सहायक

बैक्टीरिया पर असरहीन

सूत्रों के अनुसार बरामद की गई नकली दवाओं में जिस मॉलीक्यूल मिलाने का जिक्र है, उसकी तनिक भी मात्रा नहीं है। यानी सीधे-सीधे शब्दों में यह सफेद पावडर है। चिकित्सकीय की सलाह पर इस दवा का उपयोग अगर मरीज करता है तो उसका कोई फायदा नहीं मिलेगा। सफेद पावडर होने की वजह से यह बीमारी से संबंधित बैक्टीरिया को मारने में कारगर नहीं है। इसलिए बीमार मरीज को इलाज के दौरान इसका कोई बड़ा लाभ नहीं मिल पाता।

नकली दवा के पुराने कारोबारी का कर्मचारी

नकली दवा के मामले में भाटापारा के जिस कारोबारी के जांच के दायरे में लाया गया है, वह पांच साल पहले 20 लाख की नकली एंटीबायोटिक दवा के साथ पकड़े गए दवा व्यापारियों की एजेंसी का कर्मचारी था। उस दौरान मामला सामने आने के बाद एजेंसी बंद हो गई थी। इस बार पकड़े गए मामले में पुराने कर्मचारी की संलिप्तता का मामला बड़ा गंभीर होता जा रहा है। सवाल यह भी खड़ा हो रहा है कि उस दौरान पकड़े गए मामले के ठंडा होने के बाद पुनः नकली दवा के कारोबार की शुरुआत तो नहीं हो चुकी है।

अमेरिकी डेटा कंपनी की रिपोर्ट में खुलासा, ज्यादातर मेहमान अमेरिकी

एपस्टीन से जुड़ी 16 फाइलें वेबसाइट से गायब, कोई भारतीय नहीं गया आइलैंड

अमेरिका के डिपार्टमेंट ऑफ जस्टिस ने शुक्रवार रात जेफ्री एपस्टीन सेक्स स्कैंडल से जुड़े तीन लाख दस्तावेज जारी किए। फाइलों को जारी किए जाने के बाद एक नया विवाद खड़ा हो गया है। डेमोक्रेटिक पार्टी ने ट्रंप प्रशासन के अधीन न्याय विभाग पर जारी की गई एपस्टीन फाइलों से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की एक तस्वीर हटाने का आरोप लगाया है। वहीं, समाचार एजेंसी अपनी रिपोर्ट में बताया है कि कम से कम 16 फाइलें जारी किए जाने के बाद न्याय विभाग के वेबपेज से गायब हो गईं। अब तक हुए खुलासों में किसी भारतीय के एपस्टीन आइलैंड जाने का संकेत नहीं मिला है।

एजेंसी ▶▶| न्यूयॉर्क

हरिभूमि फॉलोअप

यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन से जुड़े दस्तावेजों को सार्वजनिक करने के लिए अमेरिकी न्याय मंत्रालय द्वारा बनाए गए वेबपेज से कम से कम 16 फाइल गायब हैं। इन फाइल में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की एक तस्वीर भी शामिल है। ये फाइल एक दिन पहले ही साझा की गई थीं लेकिन अब वे वेबपेज पर उपलब्ध नहीं हैं। इस संबंध में न तो सरकार की ओर से कोई स्पष्टीकरण दिया गया है और न ही आम जनता को कोई सूचना दी गई है। अमेरिकी न्यूज वेबसाइट 'वायर्ड' की रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी रक्षा मंत्रालय से जुड़ी डेटा ट्रैकिंग कंपनी 'नियर इंटेलिजेंस' ने 2016 से 2019 तक का डेटा जुटाया है। इसमें एपस्टीन के लिटिल सैंट जेम्स आइलैंड जाने वाले 200 लोगों के मोबाइल फोन का डेटा ट्रैक किया गया। ट्रैकर का डेटा बताता है कि इन 4 साल में एक भी भारतीय ▶▶|शेष पेज 2 पर

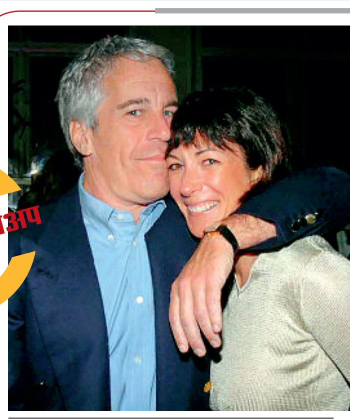
यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन अपनी सहयोगी के साथ एक पार्टी में

एपस्टीन के ठिकाने पर भारतीयों के जाने का सबूत नहीं

एपस्टीन के ज्यादातर मेहमान अमेरिकी

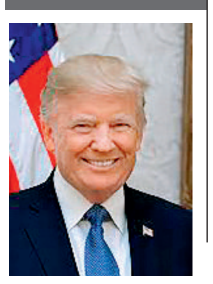

ट्रंप के नाम की भी थी चर्चा

रिपोर्ट में ट्रंप टावर के पास की लोकेशन भी मिली है, जबकि ट्रंप की ओर से ये दावा किया गया था कि वे 2008 में जेफ्री पर मुकदमा दर्ज होने के बाद उससे नहीं मिले। एपस्टीन आइलैंड पर अमेरिका के अलावा ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटिश केमैन आइलैंड और यूक्रेन की राजधानी कीव से भी विजिटर आते थे। एपस्टीन के मेहमान आइलैंड से लौटने के बाद, मार्था वाइनयार्ड, मियामी नाइटक्लब जैसी जगहों पर गए, जिनकी गिनती अमेरिका के महंगे क्लबों में होती है। इससे मेहमानों के अमीर होने की बात की बात कही जा रही है।

भारत पर क्या कहती है रिपोर्ट?

भारतीय डेटा प्रोटेक्शन कानून इतने सख्त नहीं हैं। नियर इंटेलिजेंस ने दावा किया था कि उसके पास 44 देशों के 16 करोड़ लोगों का डेटा है, जिनमें बेंगलुरु जैसे शहरों के यूजर्स का डेटा भी शामिल है। यानी एनआई अपने सर्वर की मदद से भारत के किसी भी शहर के यूजर्स का डेटा हासिल कर सकता है। हालांकि एनआई के डेटा के मुताबिक, भारत समेत किसी भी एशियाई देश का कोई व्यक्ति 2016 से 2019 के बीच एपस्टीन आइलैंड नहीं गया।

2008 के बाद मेहमानों की आवाजाही कम

2008 में एपस्टीन पर यौन उत्पीड़न का मामला दर्ज होने के बाद भी उसके आइलैंड पर मेहमानों की आवाजाही कम नहीं हुई। आइलैंड पर आने वाले ज्यादातर मेहमान अमेरिकी मूल के थे, जो फ्लोरिडा, मैसाचुसेट्स, टैक्सास, मिशिगन और न्यूयॉर्क जैसे राज्यों से आते थे। मेहमान आइलैंड पर अपना ज्यादातर समय दो जगहों पर बिताते थे। पहला- एपस्टीन के मुख्य मेंशन पर, दूसरा- हिलटॉप पर बनी 'टेंपल साइट' पर। ये वही टेंपल साइट है, जहां एपस्टीन पर नाबालिग लड़कियों का यौन उत्पीड़न करने के आरोप लगते आए हैं।

भारतीयों के नाम की थीं चर्चाएं

रिलीज से पहले एपस्टीन फाइल्स में कई भारतीयों के नाम आने की भी चर्चाएं थीं। पूर्व केंद्रीय मंत्री सुब्रमण्यम स्वामी और महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण ने भी कहा था कि एपस्टीन फाइल्स में कई भारतीय दिग्गजों के नाम सामने आएंगे, लेकिन अब तक हुए खुलासों में किसी भारतीय के एपस्टीन आइलैंड जाने या एपस्टीन से मिलने का संकेत नहीं मिला है।

पहली बार बदली गई मार्किंग स्कीम, बोर्ड कक्षाओं को छोड़कर होम बोर्ड एग्जाम में लागू, प्रदेशभर के शासकीय विद्यालयों में मौजूदा शैक्षणिक सत्र से नई व्यवस्था

मुख्य परिणाम में जुड़ेंगे तिमाही और छमाही के 20-20% अंक, वार्षिक परीक्षाओं का अंश होगा केवल 60%

रुचि वर्मा ▶▶| रायपुर

हरिभूमि एक्सक्लूसिव

प्रदेशभर के शासकीय विद्यालयों में परीक्षा प्रणाणी में बड़ा बदलाव किया गया है। यह बदलाव मौजूदा शैक्षणिक सत्र अर्थात 2025-26 से ही लागू होगा। इसके अनुसार, अब अंतिम परीक्षा परिणाम वार्षिक परीक्षाओं के साथ-साथ तिमाही-छमाही के नतीजों को मिलाकर तैयार किया जाएगा। सामान्य शब्दों में अंतिम परीक्षा परिणाम में तिमाही और छमाही के अंक भी जुड़ेंगे। विभिन्न कक्षाओं में तिमाही-छमाही और वार्षिक परीक्षाओं का अधिभार अर्थात जोड़े जाने वाले अंकों का अंश भिन्न-भिन्न होगा। ये नियम बोर्ड कक्षाओं अर्थात 10वीं-12वीं सहित 5वीं-8वीं में भी लागू नहीं होंगे। केवल होमबोर्ड कक्षाओं अर्थात स्कूली स्तर पर होने वाली परीक्षाओं के लिए ही इसे लागू किया गया है। इस संदर्भ में आदेश जारी किया जा चुका है। अंदरूनी सूत्रों के अनुसार, नई व्यवस्था इसलिए की गई है ताकि शाला प्रबंधन के साथ छात्र भी इसे गंभीरता से लें। मॉनिटरिंग नहीं होने की स्थिति में शासकीय विद्यालयों में तिमाही-छमाही परीक्षाओं को खानापूर्ति के तौर पर ही लिया जाता है। छात्र भी इसे अधिक गंभीरता से नहीं लेते। इस कारण वार्षिक ▶▶|शेष पेज 2 पर

जानिए... कौन सी कक्षा में कितने अंक

- पहली से चौथी कक्षा + छठवीं व सातवीं-तिमाही के 20%, अर्द्धवार्षिक के 20%, वार्षिक के 60% अंक
- नवमी व ग्यारहवीं कक्षा-तिमाही के अंक नहीं जुड़ेंगे, अर्द्धवार्षिक के 30% अंक व वार्षिक के 70% अंक
- नोट- 5वीं-8वीं तथा 10वीं-12वीं पूर्व की भांति बोर्ड परीक्षा के अंतर्गत ही आएगी, इसलिए इन कक्षाओं के अंतिम परिणाम तिमाही-छमाही के अंक नहीं जोड़े जाएंगे।

इसे ऐसे समझें: मान लीजिए, तिमाही-छमाही और वार्षिक परीक्षा तीनों ही 100-100 अंकों की हुई। तिमाही परीक्षा में छात्र को 100 में से 80 अंक मिले। चूंकि अंतिम परिणाम में तिमाही परीक्षा के 20 प्रतिशत अंक जोड़े जाएंगे, ऐसे में इसका अधिभार या वेटेज निकाला जाएगा। अर्थात यदि तिमाही परीक्षा 100 की जगह 20 प्रतिशत अंकों की होती तो 80 अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थी को कितने अंक मिलेंगे, यह निकाला जाएगा। यही अंक अंतिम परिणाम में जुड़ेंगे। इसी फॉर्मूले से छमाही का भी वेटेज निकाला जाएगा और वार्षिक परीक्षाओं का भी। अंत में सभी का अधिभार जोड़कर अंतिम परिणाम तैयार होगा।

---

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

कोहरे के कारण 110 उड़ानें रद्द

नई दिल्ली। दिल्ली हवाई अड्डे पर रविवार को कोहरे के कारण कम दृश्यता के कारण कुल 110 उड़ानें रद्द कर दी गईं और 370 से अधिक उड़ानों में विलंब हुआ। हवाई अड्डे पर 59 आगमन और 51 प्रस्थान उड़ानें रद्द कर दी गईं। फ्लाइट ट्रैकिंग वेबसाइट 'फ्लाइटरडार24 डॉट कॉम' पर उपलब्ध नवीनतम जानकारी के अनुसार, 370 से अधिक उड़ानों में विलंब हुआ।

कडेनार कैंप के पास की घटना

ऑपरेशन से लौटते समय गलती से चली गोली, जवान शहीद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

नारायणपुर जिले में एरिया डोमिनेशन ऑपरेशन से लौटते समय गलती से हुई फायरिंग की घटना में डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड का एक जवान मारा गया। यह घटना छोटे डोंगर पुलिस स्टेशन इलाके के कडेनार कैंप में हुई। बस्तर रेंज के आईजी सुंदरराज पी. ने बताया कि नारायणपुर डीआरजी में तैनात आरक्षक बलदेव सिंह हुर्रा गलती से हुई फायरिंग की चपेट में आ गए। सिर के पास गोली लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसके साथी सैनिक उसे तुरंत धौड़ाई अस्पताल ले गए, जहां उसका शुरूआती इलाज हुआ। हालांकि इलाज के दौरान ज्यादा खून बहने से उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही सीनियर अधिकारी मौके पर पहुंचे। घपुलिस ने इस बात की पुष्टि नहीं की कि जिस हथियार से जवान को गोली लगी थी, वह उसका था या उसके किसी मित्र का।

नड्डा की आज जांजगीर में सभा

सरकार की दो साल की उपलब्धियों को जनता के सामने रखा जाएगा

मुख्यमंत्री साय सहित पूरा मंत्रिमंडल होगा शामिल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

प्रदेश की भाजपा सरकार के दो साल पूरे होने पर प्रदेश सरकार ने जांजगीर-चांपा में बड़ा कार्यक्रम आयोजित किया है। इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए केंद्रीय मंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा सोमवार को 12.15 बजे रायपुर पहुंचेंगे। यहां से हेलीकॉप्टर से जांजगीर जाएंगे और वहां पर कार्यक्रम के बाद रायपुर वापस आकर यहां से मप्र जाएंगे। कार्यक्रम में प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, ▶▶|शेष पेज 2 पर

कार्यक्रम में ये रहेंगे

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जहां जेपी नड्डा होंगे, वहीं प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। अति विशेष अतिथि विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, केंद्रीय मंत्री तोखन साहू, डिप्टी सीएम अरुण साव, विजय शर्मा होंगे। विशेष अतिथि प्रदेश के मंत्री रामविचार नेताम, दयालदास बघेल, केदार कश्यप, ओपी चौधरी, टंकराम वर्मा, लखनलाल देवांगन, श्याम बिहारी जायसवाल, लक्ष्मी राजवाड़े, राजेश अग्रवाल, गजेंद्र यादव, गुरु खुशवंत साहेब, सांसद कमलेश जांगड़े, विधायक व्यास कश्यप होंगे।

सिर्फ 10 फीसदी सिंचित रकबा, सिंचाई की रीढ़ तोड़ती एनीकेट व्यवस्था

जर्जर एनीकेट ने बढ़ाया बस्तर के किसानों का संकट

अनिल सामंत ▶▶| जगदलपुर

हरिभूमि सरोकार

बस्तर संभाग में सीमित सिंचाई संसाधन पहले से ही कृषि व्यवस्था के लिए बड़ी चुनौती बने हुए हैं। समूचे बस्तर में मात्र 8 से 10 प्रतिशत कृषि रकबा ही सिंचित हो पाता है। ऐसे में एनीकेटों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है, लेकिन जर्जर हो चुके एनीकेटों की मरम्मत और सुधार की ओर शासन-प्रशासन का ध्यान न जाना गंभीर लापरवाही को उजागर करता है। हालात यह हैं कि किसानों को बार-बार चेताने और मांगपत्र देने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई, जिससे इस वर्ष भी संकट के संकेत स्पष्ट नजर आने लगे हैं। ▶▶|शेष पेज 2 पर

सिर्फ 10 फीसदी सिंचित रकबा, सिंचाई की रीढ़ तोड़ती एनीकेट व्यवस्था, लापरवाही हो रही उजागर

एनीकेट का फाटक नहीं लगा तो होगा उग्र आंदोलन

पूरे घटनाक्रम पर इंद्रावती नदी बचाओ संघर्ष समिति के जिलाध्यक्ष किसान संगठन लखेश्वर कश्यप ने कहा कि प्रशासनिक लापरवाही के चलते किसानों को मजबूरन श्रमदान करना पड़ा है। यदि चोरी हुए एनीकेट फाटक नहीं लगाए गए तो व्यापक आंदोलन होगा।

किसानों का टूट रहा भरोसा

पिछले वर्ष एनीकेटों की अनदेखी से सिंचाई संकट गहराया था। सैकड़ों एकड़ फसल नष्ट हुई, समय पर गेट बंद नहीं हुए। इस वर्ष भी मांगपत्र और मौखिक सूचना के बावजूद मरम्मत नहीं हुई। मजबूरन किसानों ने चंदा कर बोरी बंधन किया और चेतावनी दी कि यदि स्थायी समाधान नहीं हुआ, तो हजारों किसान सड़क पर उतरेंगे, जिसकी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।

पिछले अनुभव से सबक, भविष्य की चिंता

गत वर्ष भी इसी तरह की लापरवाही के चलते समय पर एनीकेटों के गेट बंद नहीं किए जा सके थे,जिससे सैकड़ों एकड़ खड़ी फसल बर्बाद हो गई थी। उसी अनुभव से सबक लेते हुए किसानों ने इस बार रबी सीजन से पहले खुद पहल की,ताकि आगे चलकर पानी की किल्लत न हो। यदि समय रहते स्थायी सुधार नहीं किया गया, तो आने वाले दिनों में यह समस्या बड़े आंदोलन का रूप ले सकती है।

प्रथम पृष्ठ का शेष

रायपुर से दिल्ली...

से दिल्ली की दूरी 1317 है। इस सफर के लिए यात्रियों को 13.17 से 26.34 तक अतिरिक्त देना होगा। इसके अलावा रायपुर से नागपुर की दूरी 302 किमी है, जिसका स्लीपर में वर्तमान किराया 905 है। इस तरह अब रायपुर-नागपुर स्लीपर के नए किराया में 3 से 6 रुपए अतिरिक्त देने होंगे। रायपुर से अंबिकापुर की दूरी 434 किमी है। यात्रियों को इस सफर के लिए भी 4.34 से 8.68 रुपए तक अतिरिक्त देने होंगे। रायपुर से जबलपुर की दूरी 411 किमी है, इसलिए वहां तक यात्रा के लिए 4 से 8 रुपए अधिक देने पड़ेंगे।

ग्रामीण परिवार को...

अक्सर न्यूनतम गारंटी के बजाय एक सख्त अधिकतम सीमा की तरह काम करती थी। विधेयक में ग्रामीण परिवारों के लिए सालाना रोजगार गारंटी को 100 दिनों से बढ़ाकर 125 दिन किया गया है। इसके साथ ही स्थानीय नियोजन, श्रमिक सुरक्षा और योजनाओं के एकीकरण पर जोर दिया गया है। इस कानून का मकसद ग्रामीण आय सुरक्षा को मजबूत करना, अग्रिम पंक्ति की योजनाओं का एकीकरण और कृषि-रोजगार संतुलन है। सरकार का कहना है कि यह कानून ग्रामीण क्षेत्रों में मजदूरी रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देगा, साथ ही पर्यावरण संरक्षण और स्थानीय संसाधनों के बेहतर उपयोग पर ध्यान केंद्रित करेगा।
गौरतलब है कि संसद के दोनों सदनों ने गुरुवार को विपक्ष के विरोध के बीच 'विकसित भारत-जी राम जी विधेयक, 2025' को पारित कर दिया था। ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि कांग्रेस ने बापू के आदर्शों की हत्या की। जबकि मोदी सरकार ने उन्हें जिंदा रखा है। चौहान ने मनरेगा योजना की जगह नया विधेयक लाने और उसमें से महात्मा गांधी का नाम हटाने को लेकर विपक्ष के आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया। चौहान ने कहा कि 'विकसित भारत-जी राम जी विधेयक, 2025' के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार महात्मा गांधी के आदर्शों को लागू करने और विकसित गांव की बुनियाद पर विकसित भारत बनाने के लक्ष्य की दिशा में काम कर रही है। राज्यसभा में विधेयक पर छह घंटे से अधिक चर्चा हुई एवं मंत्री चौहान के जवाब के बाद इसे ध्वनिमत से पारित कर दिया गया। सदन ने इस विधेयक पर विपक्ष के कई सदस्यों द्वारा लाये गये संशोधन प्रस्तावों को नामंजूर कर दिया। विधेयक को लोकसभा ने इसे दिन में मंजूरी दी थी।

विकसित भारत 2047 विजन के साथ जुड़ा-
वीबी जी राम जी कानून प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत 2047' विजन के साथ जुड़ा हुआ है, जिसका मकसद ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार, आजीविका और कृषि उत्पादकता को मजबूत करना है। विधेयक में ग्रामीण परिवारों के लिए सालाना रोजगार गारंटी को 100 दिनों से बढ़ाकर 125 दिन किया गया है। इसके साथ ही स्थानीय नियोजन, श्रमिक सुरक्षा और योजनाओं के एकीकरण पर जोर दिया गया है। इस कानून का मकसद ग्रामीण आय सुरक्षा को मजबूत करना, अग्रिम पंक्ति की योजनाओं का एकीकरण और कृषि-रोजगार संतुलन है। सरकार का कहना है कि यह कानून ग्रामीण क्षेत्रों में मजदूरी रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देगा, साथ ही पर्यावरण संरक्षण और स्थानीय संसाधनों के बेहतर उपयोग पर ध्यान केंद्रित करेगा।

विपक्ष ने किया...

महात्मा गांधी का नाम हटाए जाने पर आपत्ति जताई है। उनका आरोप है कि यह बिल मनरेगा की अधिकार आधारित भावना को कमजोर करता है, फैसले केंद्र में समेटता है और मजदूरों के अधिकारों को सीमित करता है।

ग्रामीण श्रमिकों के...

किया गया है कि रोजगार प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की अनियमितता की गुंजाइश न्यूनतम हो और श्रमिकों को उनके अधिकारों से वंचित न किया जा सके। मजदूरी का भुगतान सीधे बैंक खातों में सुनिश्चित कर आर्थिक सुरक्षा को मजबूती दी गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विकसित भारत–जी राम जी बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण, रियल-टाइम निगरानी, एआई-आधारित विश्लेषण और नागरिक सहभागिता जैसे आधुनिक प्रावधान गरीब और श्रमिक वर्ग के अधिकारों की प्रभावी सुरक्षा के लिए एक मजबूत और पारदर्शी ढांचा प्रदान करते हैं। इससे न केवल कार्य की गुणवत्ता में सुधार होगा, बल्कि जवाबदेही भी सुनिश्चित होगी।
मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यह कानून प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मंत्र को आत्मसात करता है। विकसित भारत 2047 की परिकल्पना के अनुरूप यह कानून ग्रामीण भारत को आत्मनिर्भर, सशक्त और सम्मानजनक आजीविका की दिशा में निर्णायक रूप से आगे बढ़ाने का प्रयास है। उन्होंने कहा कि श्रमिकों का सम्मान, समय पर रोजगार और पारदर्शी व्यवस्था ही सशक्त राष्ट्र की नींव है, और विकसित भारत–जी राम जी कानून उसी नींव को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

टैंकर से टकराई...

किया गया है कि रोजगार प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की अनियमितता की गुंजाइश न्यूनतम हो और श्रमिकों को उनके अधिकारों से वंचित न किया जा सके। मजदूरी का भुगतान सीधे बैंक खातों में सुनिश्चित कर आर्थिक सुरक्षा को मजबूती दी गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विकसित भारत–जी राम जी बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण, रियल-टाइम निगरानी, एआई-आधारित विश्लेषण और नागरिक सहभागिता जैसे आधुनिक प्रावधान गरीब और श्रमिक वर्ग के अधिकारों की प्रभावी सुरक्षा के लिए एक मजबूत और पारदर्शी ढांचा प्रदान करते हैं। इससे न केवल कार्य की गुणवत्ता में सुधार होगा, बल्कि जवाबदेही भी सुनिश्चित होगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यह कानून प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मंत्र को आत्मसात करता है। विकसित भारत 2047 की परिकल्पना के अनुरूप यह कानून ग्रामीण भारत को आत्मनिर्भर, सशक्त और सम्मानजनक आजीविका की दिशा में निर्णायक रूप से आगे बढ़ाने का प्रयास है। उन्होंने कहा कि श्रमिकों का सम्मान, समय पर रोजगार और पारदर्शी व्यवस्था ही सशक्त राष्ट्र की नींव है, और विकसित भारत–जी राम जी कानून उसी नींव को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

नकली दवाओं का...

सारंगढ़ में रहकर दवा कारोबारी से पूछताछ कर रही है। अफसरों के मुताबिक, खेमराम केसरवानी के पास रिटेल यानी चिल्हर दवा कारोबार का लायसेंस है, मगर इसके आधार पर थोक का कारोबार और दवाओं का बिना दस्तावेज अनावश्यक स्टॉक रखने की परमिशन नहीं है। इनमें जिन दो और दवाओं के नकली होने का संदेह है वह भी सर्दी-खांसी जैसी बीमारी के इलाज में उपयोग आने वाली है। जांच टीम ने वहां 160 तरह की दवाएं जब्त की है, जिसमें ज्यादातर जेनेरिक हैं।

एपस्टीन से जुड़ी...

एपस्टीन आइलैंड नहीं गया। नियर इंटेलिजेंस ने इन 200 लोगों की पूरी जानकारी जुटाई। मसलन वे कहां से आए, आइलैंड में किस जगह सबसे ज्यादा समय बिताया और वापस कहां गए?ये फाइल शुक्रवार को वेबपेज पर उपलब्ध थीं लेकिन शनिवार को इन तक पहुंच को बाधित कर दिया। इनमें नग्न महिलाओं को दर्शाने वाली पेंटिंग की तस्वीरें भी शामिल थीं। इनमें से एक तस्वीर में एक अलमारी और दराजों में रखी तस्वीरें नजर आ रही थीं। उसी तस्वीर में एक दराज के अंदर अन्य तस्वीरों के बीच डोनाल्ड ट्रंप, जेफ्री एपस्टीन, अमेरिका की प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप और एपस्टीन की सहयोगी गिस्लेन मैक्सवेल की तस्वीर भी थी।

मुख्य परिणाम में...

परीक्षाओं के दौरान छात्रों पर तैयारी का दबाव बढ़ जाता है और परिणाम भी प्रभावित है। विभाग को उम्मीद है कि तिमाही-छमाही के अंक जोड़े जाने से विद्यार्थी पूरे वर्ष पढ़ाई को गंभीरता से लेंगे।
निजी स्कूलों में लागू नहीं : मार्किंग संबंधित नया नियम प्रदेश के निजी स्कूलों में लागू नहीं होगा। इसे केवल शासकीय विद्यालयों में ही लागू किया जा रहा है। सभी जिला शिक्षा अधिकारियों सहित प्राचार्यों को भी इस संदर्भ में सूचित कर दिया गया है ताकि वे नए नियमों के अनुसार ही परीक्षा की तैयारी करवाएं। स्कूली छात्रों को भी इस नए नियम से परिचित कराने कहा गया है ताकि विद्यार्थी तिमाही और छमाही परीक्षाओं को भी गंभीरता से लें। प्रदेश में यह पहली बार होगा, जब अंतिम परीक्षा परिणाम वार्षिक परीक्षा के साथ ही तिमाही व छमाही को मिलाकर तैयार किए जाएंगे। वहीं, निजी स्कूल पूर्व की तरह वार्षिक परीक्षाओं के आधार पर ही अंतिम परिणाम तैयार कर सकेंगे।

सरकार की दो...

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, केंद्रीय मंत्री तोखन साहू, प्रदेश के सभी मंत्री भी मौजूद रहेंगे। जनादेश परब में जनता के सामने छत्तीसगढ़ सरकार की दो वर्ष की उपलब्धियों तथा राज्य के एकीकृत विकास के लिए लिए गए फैसलों की जानकारी दी जाएगी। जनकल्याणकारी योजनाओं के पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित भी किया जाएगा।
तय कार्यक्रम के मुताबिक श्री नड्डा इंडिगो की नियमित फ्लाइट से दिल्ली से 12.15 बजे रायपुर पहुंचेंगे। यहां से 12.30 बजे हेलीकॉप्टर से जांजगीर जाएंगे। वहां पर 1.30 से 3 बजे तक जनादेश परब कार्यक्रम में शामिल होने के बाद शाम को 4 बजे रायपुर आएंगे और यहां से 4.15 बजे विशेष विमान से मध्यप्रदेश जाएंगे।
होगी बड़ी सभा : जांजगीर के खोखरा पुलिस ग्राउंड में 50 हजार से अधिक की क्षमता वाले विशाल मैदान में श्री नड्डा की बड़ी सभा होगी। इस सभा में प्रदेश सरकार की दो साल की उपलब्धियों को बताया जाएगा। सभा को श्री नड्डा संबोधित करेंगे। इसी के साथ सभा में मुख्यमंत्री श्री साय का भी उद्बोधन होगा। इस मौके पर सुप्रसिद्ध लोक कलाकार एवं पद्मश्री अनुज शर्मा तथा अन्य कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी जाएगी। इसके अलावा कार्यक्रम स्थल पर पिछले दो वर्षों विभिन्न विभागों की उपलब्धियों पर आधारित विकास प्रदर्शनी का आयोजन भी किया जाएगा। प्रदर्शनी में छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत मंडल, कृषि विभाग, स्कूल शिक्षा, महिला एवं बाल विकास, जल संसाधन, मत्स्य पालन और सहकारिता विभाग सहित विभिन्न विभागों के स्टॉल लगाए जा रहे हैं।

जर्जर एनीकेट ने...

श्रमदान से रोका पानी, प्रशासनिक उदासीनता पर सवाल खड़े कर रहे हैं। रविवार को किसानों और सामाजिक संगठनों को स्वयं आगे आकर इंद्रावती नदी से जुड़े एनीकेटों में श्रमदान करना पड़ा। भोंड एनीकेट, नदीसागर और रोतमा क्षेत्र में बोरी बंधन कर पानी रोकने का प्रयास किया गया। सीमित सरकारी हस्तक्षेप में केवल दो फाटक लगाए गए,लेकिन उससे भी पानी नहीं रुका। इसके बाद किसानों ने आपसी चंदा एकत्र कर सीमेंट, गिट्टी और छड़ की व्यवस्था की और एनीकेट के जर्जर हिस्सों की मरम्मत की। लगभग पांच सौ बोरी रेत भरकर पानी रोकने का प्रयास किया गया। रोतमा क्षेत्र में तीन फाटक गायब होने और छापर–भानपुरी एनीकेट में भी बोरी बंधन की आवश्यकता ने व्यवस्था की पोल खोल दी है। जल संसाधन विभाग के जिम्मेदार भी कुछ कहने से बच रहे हैं। विभाग के अधीक्षण अभियंता करन भंडारी से विभाग का पक्ष लेने का प्रयास किया गया,लेकिन वे इस सबंध में ईई से चर्चा करने की बात कहकर पल्ला झाड़ दिया।

Skin Care डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं • लेजर हेयर रिमूवल • हाइड्रोफेशियल • कार्बन फेशियल • कैमिकल पीलिंग • रेडियोफ्रिक्वेंसी • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

सभी प्रकार की एलर्जी | डेंटल सुविधा भी उपलब्ध..
• जैसे नाक • कान • गला • आंख • श्वास की (अस्थमा) • त्वचा
छाती रोग- • अस्थमा • सी.पी.ओ.डी. • फेफड़े सिकुड़ना
• पानी भरना • न्यूमोनिया • स्वाइन फ्लू • मोटापे • खर्राटे • छाती दर्द
50 बिस्तरों का सर्वसुविधायुक्त हॉस्पिटल
Vrinda Multispeciality Hospital Chest & Allergy Centre
वृन्दा चेस्ट एंड एलर्जी मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल
अवंति बाई चौक, लोधीपारा, पंडरी रोड, कांपा, रायपुर (छ.ग.) संपर्क: 8962566221, 07714916125, 7223065604

मोतियाबिंद
आयुष्मान कार्ड सुविधा
SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925

बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं।
अष्टविनायक हॉस्पिटल
आयुष्मान कार्ड/राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन डॉ. रितेश रंजन (MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA
भर्ती सुविधा उपलब्ध
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, फोन : 0771- 4060929, मो. 7389485756

असली केंदवा मलहम
ढक्कन पर केंदवा मलहम लिखा देखें। रजि.नं. 573034बी देखकर खरीदें।
दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिये।
HMS देखकर खरीदें
सीला मलहम ®
अंदर की खुजली व बदबू के लिये, चिंगार पानी, शिला, छितरी सफेद दाग, पुरानी खुजली एवं शरीर में जलन तथा मिटी खुजली में केवल तीन दिनों में असर देखें
94060-21769

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि Classified
Email- hbclassified375@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

आवश्यकता है

आवश्यकता है- बैक आफिस कार्य, टेली सेल्स हेतु लड़कियों की आवश्यकता है वेतन 5500 से 7000 इंटरव्यू समय 11 से 2बजे तक। फ्रेशर/अनुभवी सम्पर्क करें- डीआर कंसल्टेंन्ट, मंदिर चौक बिलासपुर 6263337237 **(39463)**

आवश्यकता है- इलेक्ट्रीकल प्रोडक्ट हेतु अनुभवी सेल्समैन (वेतन 30-50 हजार+ अन्य सुविधा) कालोनी हेतु नवयुवक सुपरवाइजर (वेतन 10000+ अन्य सुविधा) आफिस कार्य हेतु स्मार्ट युवती (वेतन 8-10 हजार) बायोडाटा व्हाट्सएप करें- 9826122148 **(39465)**

आवश्यकता है- बिजली दुकान में कार्य करने के लिऐ अनुभवी लड़को की आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसार संपर्क करे 9691702509 **(39455)**

आवश्यकता है- आवासीय सोसायटी में तीन सुरक्षा कर्मी चाहिए योग्यता 12वीं एवं MY Gate App चलाना आता हो केवल सुरक्षा एजेन्सी ही सम्पर्क करें- विजया रिजेन्सी ब्लॉक-बी, विजयापुरम सरकण्डा बिलासपुर 81033 50341, 9977146747 **(39450)**

आवश्यकता है- बिजली दुकान+ ऑफिस में कार्य हेतु स्मार्ट महिला (मल्टी टैलेन्टेड जो बिलिंग+ कम्पनी कार्य संभाल सके) बिजली दुकान में कार्य हेतु जानकार एक लड़का चाहिए। वेतन योग्यतानुसार सम्पर्क करें- 9827950866 **(39448)**

आवश्यकता है- व्यापार विहार बिलासपुर स्थित कैफे में कार्य करने के लिए लड़के एवं लड़कियों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार शीघ्र सम्पर्क करें- 8305879514 **(39445)**

आवश्यकता है- घर की गाड़ी गाड़ी चलाने के लिए अनुभवी ड्राइवर की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार। अनुभवी प्राथमिकता। ड्राइविंग लाइसेन्स, आधार कार्ड सहित सम्पर्क करें- नेशनल मेडिकोज, बृहस्पति बाजार बिलासपुर 7987972716 **(39428)**

आवश्यकता है- कंस्ट्रक्शन साइट में ईमानदार चौकीदार की आवश्यकता है परिवार वाले को प्राथमिकता सम्पर्क करें- 9303159900, 70007 84237 **(39454)**

आवश्यकता है- बुक पब्लिशिंग, डिजिटल मार्केटिंग हेतु फोटोशॉप में अनुभवी ग्राफिक डिजाइनर और After Effects व Premiere Pro में कुशल वीडियो एडिटर एवं सेल्स मैनेजमेंट हेतु अंग्रेजी में संवाद करने में सक्षम महिला कर्मचारी चाहिए। अनुभवी रचनात्मक सोच और टीम वर्क की क्षमता रखने वाले इच्छुक उम्मीदवार सम्पर्क करें- Astitva Prakashan, Near GGU, Koni, Bilaspur 7898160321, 810883496 **(39433)**

आवश्यकता है- ड्राईवर 10वीं पास (आफिस एवं घरेलू कार्य भी करे वेतन 10000) एवं महिला चपरासी (8वीं पास) चाहिए बायोडाटा फोटो व्हाट्सएप करें- भारत भारती विद्या मन्दिर कस्तूरबा नगर बिलासपुर 9300654801, 9755854925 **(39453)**

आवश्यकता है- कंप्यूटर ऑपरेटर 2 टेंडर कार्य, 20000 मार्केटिंग ऑफिसर 3, 40000 योग्यता MA/ MBA सुपरवाइजर 15, 15000 फील्ड अधिकारी 5, सुरक्षा गार्ड 66, 13000, 10000 वेतन योग्यतानुसार संपर्कः- अलर्ट एसजीएस प्राइवेट लिमिटेड, कार्यालयः- 06-जे. शुक्ला कॉम्प्लेक्स पचपेड़ीनाका रायपुर 7747000016, 77460 00016, 7746000019 **(348)**

आवश्यकता है- प्लांट में 5वर्ष अनुभवी नशामुक्त गार्ड, सुपरवाईजर की आवश्यकता है पेमेन्ट योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- दोपहर 3बजे से शाम 5बजे तक, गीतांजलि इस्पात एण्ड पॉवर प्राइवेट लिमिटेड हरदी कला सिलपहरी इण्डस्ट्रीयल एरिया बिलासपुर 9425534936 **(39441)**

आवश्यकता है- (M/F) मैनेजर, एकाउंटेन्ट, सेल्स मैनेजर, सेल्समैन, हेल्पर (समय 10 से 8) चाहिए। सैलरी 9000 से 25000 सम्पर्क करें- Farmers Pride नेचर सिटी गेट से 200मी. आगे, सकरी रोड, उसलापुर 9179294949 **(39431)**

आवश्यकता है- कपड़े के शोरूम में काम करने हेतु अनुभवी लड़के एवं लड़कियों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- माँ काली मंदिर के सामने तेलीपारा रोड बिलासपुर 7566225588 **(39443)**

आवश्यकता है- मेडिकल स्टोर्स में काम करने के लिए अनुभवी/ अर्ध अनुभवी लड़का की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- महागौरी मेडिकल स्टोर्स मगरपारा बिलासपुर 93995 40400, 9131162578 **(39437)**

आवश्यकता है- सेलून में काम करने के लिए अनुभवी लड़कों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- बीइंग स्टाइल द फैमिली सैलून तेलीपारा रोड, बिलासपुर 78982 33623 **(39438)**

आवश्यकता है- कानूनी पुस्तकों की मार्केटिंग+ दुकान में कार्य हेतु लड़के, लड़कियां चाहिए उम्र का बंधन नहीं वेतन 6000 से 10000+ कमिशन पता- आदर्श लॉ हाउस डीपी कॉलेज के सामने बिलासपुर 9827079947 **(39430)**

आवश्यकता है- विज्ञापन एजेन्सी में 2वर्ष अनुभवी दो ग्राफिक डिजाइनर की आवश्यकता है जिसे कोरल ड्रा, फोटोशॉप एवं सोशल मीडिया ऑपरेट करना आता हो। वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- 9131155033, 9827180896 **(39444)**

आवश्यकता है- घर स्थित क्लीनिक में मरीजों को दवाई देना, समझाना, दवाइयों का रख रखाव, घर की साफ सफाई हेतु फीमेल स्टाफ की आवश्यकता है वेतन- 8000+ योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- 9098117717 **(39426)**

आवश्यकता है- थोक दवा दुकान में कम्प्यूटर ऑपरेटर की आवश्यकता है। अनुभवी को प्राथमिकता। वेतन योग्यता अनुसार। सम्पर्क करें- नितिन मेडिकल एजेन्सी 34, मेडिकल काम्पलेक्स, तेलीपारा बिलासपुर 7430000011 **(39435)**

आवश्यकता है- Ambition मार्केटिंग में फिल्ड वर्क करने हेतु लड़के एवं लड़कियों की आवश्यकता है। वेतन 10000 से 15000 पता- शॉप नम्बर FS16 प्रथम तल, सीएलसी प्लाजा मंगला चौक बिलासपुर 79995 94790, 7806007192 **(39416)**

आवश्यकता है-सुरक्षागार्ड सिक्युरिटी सुपरवाइजर गनमैन फिल्ड ऑफिसर कम्प्यूटर ऑपरेटर, घरेलू कामवाली बाई। वेतन 8000-20000, आवास फ्री। पता- साईं सिक्युरिटी सर्विस साई निवास कॉम्प्लेक्स जे.जे. हॉस्पिटल बाजू तोरवा बिलासपुर 80852 33213, 8253010291, 8889 997826 **(39295)**

आवश्यकता है- पेंसिल पैकिंग शिक्षित बेरोजगार महिला पोस्ट घर बैठे काम करके 45000/-से 75000/- NOC फीस 620/- WhatsApp Contact Vipin Gupta. 96273 68501 **(1266)**

आवश्यकता है-बिलासपुर, जांजगीर, खरसिया में सुरक्षा गार्ड, सुपरवाईजर, ड्राइवर की आवश्यकता है। PF, ESIC मेडिकल आवास सुविधा फ्री सम्पर्क करें- सिद्धि विनायक सिक्युरिटी, राजेंद्र नगर बिलासपुर 9111175190 9098318675 **(427)**

आवश्यकता है- ग्वालियर में ऑफिस कार्य हेतु 10वी 12वीं ग्रेजुएट अविवाहित लड़के चाहिए.वेतन 12000 + कमीशन + बोनस के साथ कमाए 15000-20000 रहना फ्री + गाड़ी किराया का कोई शुल्क नहीं लगेगा संपर्क करे 9039470547 **(520)**

आवश्यकता है- टेन्ट हाऊस में काम करने के लिए अनुभवी कम्प्यूटर आपरेटर की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- 80019 75775 **(39429)**

आवश्यकता है-ऑफिस कार्य हेतु टेलिकॉलिंग महिला एवं युवतियों की अतिशीघ्र आवश्यकता है सैलरी 5000 से 10000+ अतिरिक्त कमीशन सम्पर्क करें- गीतांजलि विहार लखन भोजनालय नेहरू नगर बिलासपुर 09685646863 **(0301)**

आवश्यकता है- आशियाना बिल्डर्स में आफिस असिस्टेन्ट एवं आफिस ब्वॉय की आवश्यकता है योग्यता 8वीं एवं 12वीं पास, कम्प्यूटर जानकार को प्राथमिकता सम्पर्क करें- आशियाना तिफरा इंडस्ट्रीपल एरिया, बिलासपुर 9755786671, 8319435454 **(39439)**

आवश्यकता है- श्याम इंटरप्राइजेज में पैकिंग कार्य अन्य कार्य हेतु लड़कों, लड़कियों की आवश्यकता है वेतन 6000 से 8000 (समय सुबह 10 से शाम 7बजे) सम्पर्क करें- साइन्स कॉलेज सरकंडा बिलासपुर 90747 41377 **(434)**

आवश्यकता है-ऑफिस कार्य हेतु 10वी, 12वी पास लड़कों की आवश्यकता है जो ग्वालियर में रहकर काम कर सके वेतन 12000+ कमीशन +बोनस, रहना फ्री, ट्रेनिंग बाद 12000 से 20000 महीने सम्पर्क करें- 6269626054, 8982690021 **(523)**

बेचना है

बेचना है- (1) सेमी कमर्शियल मकान अग्रसेन चौक के पास, विनायक नेत्रालय के पीछे जेकब चाल (2) मेडिकल कॉम्पलेक्स में 24×40 का प्लाट (3) मंगला धुरीपारा में सलेबल प्लाट 50 डिसमिल (4) बोदरी में पृथ्वी होटल के पास 40×100 का प्लाट (5) कोटा में अर्चिट फार्म हाउस में 27 डिसमिल प्लाट बेचना है सम्पर्क करें- जे.एन.के. ग्रुप प्रापर्टी एण्ड कंस्ट्रक्शन वृन्दावन परिसर फर्स्ट फ्लोर B-09 मेन रोड तेलीपारा बिलासपुर 6268171114, 8602877794 **(39447)**

बेचना है- न्यूनतम कीमत पर सर्वसुविधायुक्त स्वतंत्र मकान वास्तु अनुसार बना सेन्ट फ्रान्सिस स्कूल से नजदीक नेहरू चौक से 2km, रिंग रोड नं.2, गौरव पथ से 500m. अमेरी में सम्पर्क- 81031 21458, 9575555811 **(39464)**

बेचना है- बिलासपुर मोपका विवेकानन्द नगर में 1500 वर्गफुट में बना 2BHK नगर निगम से नक्शा पास हुआ मकान अतिशीघ्र बेचना है सम्पर्क करें- 9630110584 **(39427)**

बेचना है- करबला रोड भाजपा कार्यालय के सामने राजेश होजयरी के पीछे कपड़ा मार्केट गली में उत्तर मुखी 1000 वर्गफीट प्लाट बेचना है (घर गोदाम, हॉस्टल हेतु उपयुक्त) सम्पर्क करें- 8103121458, 9575555811 **(39451)**

बेचना है- (1) धीरा वर्ल्ड सकरी में TNC रेरा एप्रूव्ड प्लॉट (2) जोकी में 55 डिसमिल जमीन 170 फ्रंट सहित (3) तहसील तखतपुर ग्राम खम्हारिया में 95 डिसमिल जमीन सम्पर्क करें- 97132 85855 **(39452)**

बेचना है- बिलासपुर गोड़पारा में निर्मित दो मंजिला मकान माया दुबे नर्सिंग होम के सामने जिसका भूस्वामी वैश्य (बैशवाड़े) कुर्मी समाज भाड़ी, है। क्षेत्रफल वर्गफीट में खसरा 169 रकबा 2478 वर्गफीट मकान बेचना है सम्पर्क करें- 9826173751, 70896 27465, 9399121049 **(39446)**

बेचना है- मुंगेली कलेक्ट्रेट ऑफिस से 400 मीटर एवं तहसील ऑफिस से 200 मीटर दूर बिलासपुर रोड करही में श्री श्री पेट्रोल पम्प के पास मेन रोड से लगी 40×155 वर्गफिट कुल 6200 वर्गफिट जमीन बेचना है सम्पर्क करें- ग्राम करही जिला मुंगेली 9755984364, 8962271270, 8770194876 **(39419)**

बेचना है-हर्षफिनिक्स सिटी पूर्ण विकसित कालोनी वार्ड49 बीआर यादव नगर, बिजौर बिलासपुर विभिन्न साइज लेआउट प्लाट, 2/3/4BHK डुप्लेक्स बंगलो, 2/3BHK अफोर्डेबल फ्लैट टाउनकंट्री रेरा रजिस्टर्ड। सम्पर्क- एसके बिल्डर्स & डेवलपर्स 88394 55596, 7697644444 **(38649)**

बेचना है- (1) चिल्हाटी मोपका 36 एवं 50 डिसमिल 30फिट चौड़ी रोड प्री कास्ट बाउंड्री सहित (2) सीपत गुड़ी मेनरोड प्लाट 65 डिसमिल 130फिट फ्रंट (3) भारती नगर अयप्पा मंदिर के पास प्लाट 1400 वर्गफीट (4) कड़ार नेशनल हाईवे से लगा हुआ प्लाट 49 डिसमिल 250फीट फ्रंट (5) बेलमुंडी में 40 डिसमिल प्लाट बेचना है संपर्क 9479169997 **(430)**

बेचना है-बिलासपुर मसानगंज में स्थित 6BHK का नवनिर्मित मकान, गीतांजलि सिटी फेस-2 के बगल में नया 2BHK मकान, कोटा मेन रोड में 2 एकड़ कमर्शियल प्लॉट बेचना है सम्पर्क करें- 78988 55268 **(39297)**

बेचना है- निपनिया रेल्वे स्टेशन से 3km दूर ग्राम गोढ़ी/लमती में 1.30 एकड़ कृषि भूमि 7लाख रुपए प्रति एकड़ की दर से बेचना है। सम्पर्क करें- पल्लव भवन बिलासपुर 8823807766 **(39432)**

किराया

किराया- सल्फा, रायपुर रोड पर 7एकड़ तार से घिरी कृषि भूमि जिस पर धान, फल, सब्जी की खेती होती है, तालाब एवं दो पक्के मकान किराए से देना है। सम्पर्क- 7898918151 **(39449)**

फायनेंस

फायनेंस- रोजगार योजना अन्तर्गत पूरे छत्तीसगढ़ में लोन सिर्फ आधार कार्ड पर 50000 से 25लाख तक, 1% ब्याज वार्षिक, प्रॉपर्टी, पर्सनल, बिजनेस, दुकानदारी, ग्रुप लोन, सिविल खराब लोन पाएं, सम्पर्क करें- 9311830460 **(4335)**

Medicare Specialists
इसे जरूर पढ़िये और समझिये
क्या आपको किसी प्रकार के वायरस (बैक्टिरिया) संक्रमण रोग है जैसे हर्पिस रोग, स्त्री-पुरुष के गुप्तांग में दाने, फुंसी छाले, चमड़ी का फटना, खुजली, लाल होना, पेशाब में जलन या पीप आना, मुंह में छाले, पेट के दहिने तरफ दर्द हो तो यह हर्पिस रोग हेपेटाइटिस (ABC), सिफलिस, गौनोरिया (सुजाक) रुबेला या एच.आई.वी. (HIV, AIDS) रोग हो सकता है। ये लक्षण इसके प्रारंभिक संकेत हैं। तुरंत खून की जाँच करायें। यदि खून का रिपोर्ट ठीक भी है और आप रोग से परेशान है तो भी इसका स्थायी जड़ से ईलाज केवल आयुर्वेद के रस-रसायन में ही संभव है अन्य कोई उपाय नहीं है इसी को इम्यूनोथैरिपी कहा जाता है।
ध्यान रहे पुरुष के प्रकृति जन्य लिंग (इन्द्रिय) को बड़ा मोटा करने का आज तक कोई उपाय नहीं है, ये खुरापाती नीम हकीम आपको भ्रम में डालकर पागल बनाकर ही छोड़ेंगे सावधान। इन बीमारियों का स्थायी ईलाज इम्नुनो थैरिपी पर आधारित केवल रस-रसायन में ही हैं।
वायरो रिसर्व एन्ड स्किन केयर क्लिनिक आई.एस. ओ. सर्टिफाईड
सुविख्यात चिकित्सक डॉ. एच. सी. अग्रवाल (एम.डी.)
डॉ. वी.के. अग्रवाल बी.ए.एम.एस. (यौन समस्या)
निशांत अग्रवाल (फार्मा सांईटिस्ट)
रेल्वे स्टेशन रोड, स्वरूप टॉकीज के सामने बजाज गोल्ड फाइनेंस के पीछे, दुर्ग
94255-55659,93039-48500
96177-89223,93032-42200
गुरूवार अवकाश, मिलने का समय : शाम 4 से 8
छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।
18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
8515825081
9083218330

आपके सपनों का आशियाना जल्द होगा आपका... पढ़ते रहे हरिभूमि क्लासिफाइड सब कुछ है यहां

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेंवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक, कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

आए दिन प्रदेश में खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा एनालॉग पनीर की जब्ती पर सवाल खड़े होने लगे हैं। कंपनियों को एफएसएसएआई पनीर बनाने लाइसेंस जारी कर रहा है और उनकी टीम छापेमारी कर उसकी जब्ती की कार्रवाई कर रही है। एनालॉग पनीर बनाने रायपुर जिले में 5 और प्रदेश में लगभग 15 संस्थान काम कर रहे हैं।

एनालॉग पनीर के लिए प्रशासन ने जारी किए 15 लाइसेंस, अब छापेमारी पर उठे सवाल

स्वास्थ्य के लिए हानिकारक तो किस्तों में कार्रवाई के बजाय निर्माण बंद कराने की जरूरत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

स्थानीय व्यापारियों का तर्क है कि एनालॉग अगर स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है, तो किस्तों में कार्रवाई करने के बजाए इसका निर्माण पूरा बंद करवा देना चाहिए। जानकारों का कहना है कि जब्ती कार्रवाई तब की जाती है, जब दो बार की जांच में कोई वस्तु अमानक मिलती है। विभागीय टीम ने कार्रवाई के चक्कर में सैंपल रिपोर्ट के बिना ही पनीर की जब्ती बना डाली। दावा है कि एनालॉग का निर्माण एफएसएसएआई के मानकों के अनुसार किया जा रहा था और बिक्री वाली पैकिंग में भी इसका उल्लेख था। सबसे बड़ा सवाल यह भी उठाया गया है कि जब विभाग ही इसके निर्माण के लिए लाइसेंस जारी करता है, तो विभागीय टीम उसे जब्त करने की कार्रवाई क्यों करती है, जबकि लाइसेंस जारी करने के पहले विभागीय टीम बाकायदा तय मानकों का निरीक्षण करती है।

मुंह मीठा कीजिए, पर संभलकर...मिठाइयों के साथ फिर एनालॉग पनीर का पहाड़ मिला

मिल्क पावडर और पाम ऑयल से निर्माण

सामान्य पनीर का निर्माण दूध और नींबू से किया जाता है। एनालॉग बनाने के लिए मिल्क पावडर, पाम ऑयल जैसी सामग्रियों का उपयोग किया जाता है। असली पनीर की तुलना में इसकी कीमत आधी से भी कम होती है। इसकी वजह से बड़े आयोजनों और व्यापारिक संस्थानों में इसका उपयोग किया जाता है। कुछ समय पहले एफएसएसएआई द्वारा असली और एनालॉग पनीर में फर्क बताने के लिए नियम बनाया गया था।

जब्ती लेकिन सैंपल का पता नहीं

खाद्य एवं औषधि प्रशासन इसके पहले भी कई ठिकानों में छापामारी कर एनालॉग पनीर जब्त कर चुका है। कार्रवाई के दौरान उनके सैंपल लेकर भी जांच के लिए भेजे जाने का दावा किया गया था। छापेमारी का खुलासा तो किया गया, मगर इस बात को कभी सार्वजनिक नहीं किया गया कि उनके द्वारा लिए गए सैंपल की रिपोर्ट मानक थी अथवा अमानक। इस मामले में संबंधित संस्थानों के खिलाफ किस तरह की कार्रवाई की गई। पांच दिन पहले रायपुर जिले में करीब 49 सौ किलो एनालॉग पनीर जब्त किया गया, मगर संस्थाओं को सीलबंद करने की कार्रवाई नहीं की गई।

धान खरीदी के सवा महीने, साढ़े 47 लाख मीट्रिक टन की खरीदी, लेकिन उठाव पौने दस लाख का

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ में इस साल 15 नवंबर से शुरू हुई न्यूनतम समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के बाद अब तक साढ़े 47 लाख मीट्रिक टन से अधिक धान खरीदा जा चुका है, लेकिन इस सवा महीने की अवधि में केवल पौने दस लाख टन का उठाव ही उपार्जन केंद्रों से हो पाया है। धान का उठाव-परिवहन न होने के कारण धान में सूखत का खतरा भी बढ़ गया है। यही नहीं, परिवहन न हो पाने से जब उपार्जन केंद्रों की बफर लिमिट पार हो रही है, तब खाद्य विभाग में धान स्टाक की बफर लिमिट भी बढ़ा दी गई है।

राज्य के अलग-अलग जिलों में चल रही धान खरीदी के बीच ये जानकारियां भी आ रहीं है कि सोसाइटियों के उपार्जन केंद्रों में बड़ी मात्रा में धान जमा हो गया है। जिस तेजी से धान खरीदी हो रही है, उससे काफी धीमी रफ्तार से धान का उठाव हो रहा है। फिलहाल हालत ये है कि जिलों से केवल मिलरों को धान दिया जा रहा है।

एक नजर खरीदी के हिसाब पर

छत्तीसगढ़ में 15 नवंबर से शुरु हुई धान खरीदी के बाद अब तक राज्य भर में 47 लाख 51 हजार 275 मीट्रिक टन धान की खरीदी हो चुकी है। इसमें से केवल 9 लाख 86 हजार 646 मीट्रिक टन धान का उठाव मिलरों ने किया है। बाकी का धान उपार्जन केंद्रों में जमा है। सोसाइटी संचालकों का कहना है कि केवल मिलरों के धान उठाने से उठाव धीमा गति से हो रहा है। अगर मार्कफेड के संग्रहण केंद्रों के लिए तेजी से धान का परिवहन कराया जाए तो स्थिति नियंत्रित हो सकती है। लेकिन फिलहाल इसके कोई आसार नजर नहीं आ रहे हैं।

सूखत का संकट सोसाइटी संचालकों पर

पिछले सीजन में ही राज्य की सैकड़ों सोसाइटियों में धान में सूखत की वजह से धान की मात्रा कम हुई। जितना धान कम हुआ, उतनी ही मात्रा में धान सोसाइटी प्रबंधक धान खरीदी प्रभारी से वसूलने का आदेश जारी हुआ। जिन सोसाइटी वालों ने धान नहीं दिया उनसे धान के बराबर की राशि वसूली गई। जिन सोसाइटियों में धान की कीमत लाखों रुपए में थी, वहां राशि जमा न करने वाले प्रबंधकों के खिलाफ संबंधित थाने में एफआईआर कराई गई। इस कार्रवाई से बड़ी संख्या में सोसाइटियां फंसी। यह मामला हाईकोर्ट में गया है। इस पर अंतिम फैसला आना अभी बाकी है। पिछले साल का यह संकट अभी टला नहीं है, लेकिन सोसाइटी संचालकों को अब धान के भारी जखीरे के बीच फिर संकट नजर आ रहा है।

बफर लिमिट बढ़ा दी गई

राज्य की हर सोसाइटी में धान खरीदी के लिए धान के बफर स्टॉक की लिमिट तय की जाती है। इस लिमिट के बाद धान खरीदा नहीं जा सकता। क्योंकि उपार्जन केंद्र में धान रखने की जगह बची नहीं होती है। इधर सोसाइटी संचालकों का कहना है कि समय पर धान का परिवहन न होने से धान की बफर लिमिट पार होकर कई जगहों पर दो गुना धान जमा हो रहा है। इधर खाद्य विभाग ने धान का उठाव परिवहन कराने की जगह सोसाइटियों के उपार्जन केंद्रों की बफर लिमिट ही बढ़ा दी है।धान जमा होने से सूखत का खतरासोसाइटियों में बड़ी मात्रा में धान जमा होना सोसाइटियों और उसके प्रबंधक तथा खरीदी प्रभारी के लिए किसी बड़े खतरे से कम नहीं है। दरअसल जब धान खरीदा जाता है तो उसमें नमी होती है। धान में 17 प्रतिशत तक की नमी स्वीकार की जाती है। यही नम धान जब सोसाइटियों में आता है और उसे बोरों में भरकर स्टेकिंग की जाती है, यह धान तेज धूप गरमी से सूखता है तो इसे सूखत कहा जाता है। धान में यह सूखत आने पर धान का वजन कम हो जाता है। इस कमवजनी की कीमत सोसाइटी वालों से वसूली जाती है।

वनमंत्री केदार को मातृशोक मनकी देवी का निधन

जगदलपुर। बस्तर के दबंग नेता रहे स्व. बलिराम कश्यप की धर्मपत्नी एवं प्रदेश के वन जलवायु परिवर्तन, परिवहन एवं सहकारिता मंत्री केदार कश्यप, पूर्व सांसद दिनेश कश्यप की माता एवं जिला पंचायत अध्यक्ष वेदवती कश्यप की सास ग्राम फरसागुड़ा निवासी मनकी देवी (84 वर्ष) का रविवार को निधन हो गया। वे कुछ समय से बीमार थीं और उपचार राजधानी रायपुर में चल रहा था। विदित हो कि बस्तर के दबंग नेता और 4 बार के सांसद रहे स्वर्गीय बलिराम कश्यप का 15 वर्ष पूर्व 2010 को निधन हो गया था। उनकी पत्नी मनकी देवी कुछ दिनों से बीमार चल रही थी। अधिक उम्र के कारण चिकित्सको ने भी परिजनों को घर ले जाने की सलाह दी। शनिवार को रायपुर से उन्हें गृहग्राम फरसागुड़ा लाया गया, आज उन्होंने घर पर ही अंतिम सांस ली। अंतिम संस्कार गांव में स्थित पारिवारिक मुक्तिधाम में दोपहर 12 बजे किया गया। जिसमें परिजनों के साथ भाजपा व कांग्रेस के नेतागण समेत बड़ी संख्या में सम्मलित हुए।

पुलिस भर्ती में गड़बड़ी की शिकायत लेकर गृहमंत्री निवास पहुंचे अभ्यर्थी, वन-टू-वन चर्चा

रायपुर। छत्तीसगढ़ पुलिस आरक्षक भर्ती परीक्षा को लेकर उठ रहे सवालों और शिकायतों के समाधान के लिए रविवार को उपमुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री विजय शर्मा ने खुला संवाद कार्यक्रम रखा था। पुलिस आरक्षक भर्ती को लेकर युवाओं की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए गृहमंत्री विजय शर्मा ने अपना निवास कार्यालय अभ्यर्थियों के लिए खोल दिया। सुबह से ही बड़ी संख्या में युवा रायपुर पहुंचे और अपनी आपत्तियां, दस्तावेज और आवेदन लेकर गृहमंत्री से मुलाकात की। सीधी सुनवाई के दौरान अभ्यर्थी भर्ती प्रक्रिया में प्राप्तांकों, मेरिट सूची, जिलेवार चयन और एक अभ्यर्थी के कई जिलों में नाम आने जैसे मुद्दों पर अपनी बात रखी। गृहमंत्री ने स्वयं अधिकारियों के साथ शिकायतें सुनते हुए तत्काल परीक्षण और समाधान के निर्देश दिए। गृहमंत्री विजय शर्मा ने स्पष्ट किया कि पुलिस आरक्षक भर्ती प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी रही है। अभ्यर्थियों की मांग पर सभी जिलों के उम्मीदवारों के अंक सार्वजनिक किए गए हैं।

सोने की तरह चांदी के जेवरों में भी हॉलमार्किंग जरूरी, नए साल से संभव

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

सोने के जेवरों के बाद अब चांदी के भी जेवरों में हॉलमार्किंग की तैयारी प्रारंभ हो गई है। संभावना है कि नए साल में चांदी के जेवरों में भी हॉलमार्किंग प्रारंभ हो जाएगी। ऐसा होने से सबसे बड़ा फायदा ग्राहकों को होगा। आज चांदी के जेवरों में हॉलमार्किंग न होने के कारण कारोबारी अपनी मर्जी के मुताबिक पुराने जेवरों में कटौती करके जेवर खरीदते हैं। लेकिन हॉलमार्किंग के बाद ऐसा करना संभव नहीं होगा। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने एक बड़ा फैसला लेते हुए पहले ही निर्देश जारी किया है कि चांदी में अब 6 डिजिट वाली एचयूआईडी हॉलमार्किंग लागू होगी और यही हॉलमार्क वाली चांदी के गहनों की खरीदी बिक्री होगी। इसके साथ ही पुरानी प्रक्रिया पर रोक लग जाएगी। बाजार में व्यापारी व ग्राहक को इससे फायदा ये होगा कि शुद्धता का प्रमाण तय होगा। चांदी के जेवरों में भी सोने की तरह सात श्रेणियां 80.00 से 99.00 फीसदी शुद्धता की रखे जाने की संभावना है। कारोबारियों का कहना है इससे जहां चांदी के गहनों की शुद्धता प्रमाणित होगी, वहीं फर्जीवाड़ा पर भी रोक लगेगी। इसमें ग्राहक बीआईएस के केयर ऐप में हॉलमार्क का डिजिट अपलोड कर आसानी से शुद्धता परख सकेंगे। जैसा कि बीआईएस की ओर से बताया गया है कि सात ग्रेड चांदी ज्वेलरी पर लागू होगा हॉलमार्क। इससे ऐसा अनुमान है कि 80.00, 83.50, 90.00, 92.50, 95.80, 97.00 और 99.00 फीसदी शुद्धता का ग्रेड लागू होगा। यह नई प्रक्रिया नए साल से लागू होने की संभावना है। सोने में 14,18,20,22,23 व 24 कैरेट के गहने हॉलमार्क वाले ही बिका करते थे अब बीआईएस ने 9 कैरेट वाले सोने को भी इस ग्रेड में ला दिया है।

खबर संक्षेप

एडीबी इस वर्ष के लिए 4.26 अरब डॉलर का कर्ज देगी

नई दिल्ली। एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने वर्ष 2025 में भारत में 4.26 अरब डॉलर के सरकारी ऋण की प्रतिबद्धता जतायी है। यह कर्ज देश के दक्षता परिवेश को मजबूत करने, नवीकरणीय ऊर्जा के इस्तेमाल को तेज करने, स्वास्थ्य देखरेख सेवाओं को बेहतर बनाने और 'इकोटूरिज्म' को बढ़ावा देने वाली परियोजनाओं के लिए महत्वपूर्ण है।

बीते सप्ताह सोयाबीन और सरसों तेल में रही गिरावट

नई दिल्ली। बीते सप्ताह देश के तेल-तिलहन बाजारों में ऊंचे भाव के कारण मांग प्रभावित रहने की वजह से सरसों तेल-तिलहन तथा लागत से कम दाम पर बिकवाली होने से सोयाबीन तेल तथा सर्दी में मांग प्रभावित रहने से कच्चा पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तेल के दाम में गिरावट रही।

आईनॉक्स क्लीन ने वाइब्रेंट एनर्जी का किया अधिग्रहण

नई दिल्ली। आईनॉक्स क्लीन एनर्जी लिमिटेड ने ऑस्ट्रेलिया की मैक्वेरी कॉर्पोरेट होल्डिंग्स प्राइवेट लिमिटेड और अन्य शेयरधारकों के साथ वाइब्रेंट एनर्जी के अधिग्रहण के लिए अंतिम समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। वाइब्रेंट एनर्जी की कुल स्थापित क्षमता 1,337 मेगावाट है। उद्योग सूत्रों के अनुसार यह सौदा लगभग 5,000 करोड़ रुपये में हुआ है।

आईएचसीएल वेल्लोर में खोलेगी विवांता ब्रांड होटल

चेन्नई। इंडियन होटल्स कंपनी लिमिटेड (आईएचसीएल) ने तमिलनाडु के वेल्लोर में 'विवांता' ब्रांड के तहत एक होटल खोलने की योजना की घोषणा की। कंपनी ने इस होटल के विकास के लिए बीबीके ग्रुप के साथ साझेदारी की है। सुमा वेंकटेश ने कहा कि वेल्लोर एक स्थापित शैक्षणिक एवं औद्योगिक केंद्र है, जहां संपर्क सुविधा और बुनियादी ढांचे में सुधार हो रहा है।

मारुति के चेयरमैन भार्गव को मिला अचीवमेंट अवार्ड

नई दिल्ली। मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड के चेयरमैन आरसी भार्गव को कंपनी संचालन में उत्कृष्टता को वास्तविकता में बदलने के लिए इंस्टीट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया ने आईसीएसआई 'लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड' से सम्मानित किया है। यह पुरस्कार भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली जूरी ने दिया है।

सिम्बायोटेक का आईपीओ के लिए दस्तावेज दाखिल

नई दिल्ली। दवा बनाने वाली कंपनी सिम्बायोटेक फार्मालैब लि. ने पूंजी बाजार नियामक सेबी के पास अपने आरंभिक सावजनिक पेशकश (आईपीओ) के जरिए 2,180 करोड़ रुपये जुटाने के लिए शुरुआती दस्तावेज दाखिल किए। कंपनी की जानकारी से जुड़ी विवरण पुस्तिका (डीआरएचपी) के अनुसार, सार्वजनिक निर्गम में 150 करोड़ रुपये के नए शेयरों का निर्गम और प्रवर्तकों और मौजूदा निवेशकों द्वारा 2,030 करोड़ रुपये के बिक्री पेशकश (ओएफएस) होंगे।

कोर्ट का फैसला पलटते ही मस्क ने रचा इतिहास, नेटवर्थ 700 बिलियन डॉलर पार

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

- इस फैसले से मस्क की नेटवर्थ रातो-रात बढ़कर 749 बिलियन डॉलर हो गई

टेस्ला और स्पेसएक्स के सीईओ एलन मस्क साल 2021 से दुनिया के सबसे दौलतमंद आदमी बने हुए हैं। वह इतिहास में पहले ऐसे व्यक्ति हैं, जिनका नेटवर्थ अब 700 बिलियन डॉलर के आंकड़े को भी पार कर चुका है।

कोर्ट के एक फैसले के बाद एलन मस्क ने यह बड़ी जीत हासिल की। डेलावेयर सुप्रीम कोर्ट ने पिछले साल रद्द किए गए 139 बिलियन डॉलर के टेस्ला स्टॉक ऑप्शन को बहाल कर दिया। इस फैसले के बाद मस्क की नेटवर्थ बढ़कर लगभग 749 बिलियन डॉलर हो गई। मस्क के स्टॉक इस वृद्धि ने उन्हें शीर्ष पर पहुंचा दिया।

डेलीवेयर सुप्रीम कोर्ट ने पिछले साल रद्द 139 बिलियन डॉलर ऑप्शन को बहाल कर दिया

लैरी पेज से ज्यादा है मस्क की दौलत?

इस हफ्ते की शुरुआत में एयरोस्पेस स्टार्टअप स्पेस एक्स के आईपीओ लाने की खबरो के बीच मस्क का नेटवर्थ 600 बिलियन डॉलर से ज्यादा हो गया था। नवंबर में, टेस्ला के शेयरहोल्डर्स ने अलग से मस्क के लिए 1 ट्रिलियन डॉलर के पे प्लान को मंजूरी दी - जो इतिहास का सबसे बड़ा कॉर्पोरेट पे पैकेज है। यह टेस्ला को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और रोबोटिक्स पावरहाउस में बदलने के उनके विजन के एवज में था। फोर्ब्स के मुताबिक, अब मस्क की दौलत दुनिया के दूसरे सबसे अमीर व्यक्ति लैरी पेज से लगभग 500 बिलियन डॉलर ज्यादा है।

पैकेज गलत तरीके से तय करने का लगा आरोप

वक्त बीता और टेस्ला की भी हालत सुधरी। प्रोडक्शन बढ़ा, कंपनी का मार्केट कैप बढ़ा और फिर मस्क तय लक्ष्यों को हासिल कर लेने के अनुरूप अपने सैलेरी पैकेज के हकदार बन गए। लेकिन मामला तब गड़बड़ाया जब जनवरी 2024 में टेस्ला के एक शेयरहोल्डर ने इस पैकेज को निचली अदालत में चुनौती दी। तब कोर्ट ने यह कहते हुए पैकेज को रद्द कर दिया कि इसे गलत तरीके से तय किया गया है।

निचली अदालत ने पलटा फैसला, पैकेज किया बहाल : फैसले से नाराज मस्क ने टेस्ला को डेलावेयर से टेक्सास में दोबारा रजिस्ट्रेशन करने का फैसला लिया, तो मामला डेलावेयर के सुप्रीम कोर्ट में पहुंचा, जिसने अब निचली अदालत के फैसले को पलट दिया और इसमें कई गलतियों का जिक्र करते हुए पैकेज को फिर से बहार कर दिया।

क्या था मामला?

साल 2018 में कंपनी को नए मुकाम पर ले जाने के लिए उन्हें टेस्ला ने 55 अरब डॉलर की सैलरी पैकेज दी थी। ये पैसे उन्हें तभी मिलने थे, लेकिन नहीं मिले। उस वक्त टेस्ला की हालत अभी जैसी नहीं थी, उसका मार्केट वैल्यूएशन 50 से 75 अरब डॉलर के करीब था। ऊपर से कंपनी को इलेक्ट्रिक व्हीकल्स के प्रोडक्शन में लगातार पैसे खर्च करने पड़ रहे थे। तब कंपनी के बोर्ड ने कई और बड़े लक्ष्य तय किए और इनके पूरे हो जाने के बाद ही मस्क को पैकेज के तहत पैसा मिलने की बात कही।

चेयरमैन ने कहा, लाभांश देना उनकी प्राथमिकता में शामिल

वेदांता विभाजन के बाद भी शेयरधारकों को लाभांश देना जारी रखेगा : अग्रवाल

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

वेदांता समूह के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने कहा कि लाभांश देना उनकी प्राथमिकता में शामिल है और प्रस्तावित विभाजन के बाद भी समूह की कंपनियां नियमित रूप से शेयरधारकों को लाभांश देती रहेंगी। अग्रवाल ने बताया कि समूह अपने विभिन्न कारोबारों में 20 अरब डॉलर के विस्तार कार्यक्रम को जारी रखेगा।

धातु से तेल तक के कारोबार वाले वेदांता लिमिटेड का विभाजन प्रत्येक कारोबार को स्वतंत्र पहचान देने, मूल्य उजागर करने और पूंजी निवेश की प्रक्रिया को प्रभावित किए बिना नकद लाभांश जारी रखने के लिए किया जा रहा है। राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) ने मंगलवार को वेदांता को पांच अलग सूचीबद्ध कंपनियों में विभाजित करने की योजना को मंजूरी दी।

धातु का कारोबार वेदांता में ही रहेगा

विभाजन के बाद आधार धातु का कारोबार वेदांता लिमिटेड में रहेगा, जबकि वेदांता एल्युमिनियम, तलवंडी साबो पावर, वेदांता इस्पात एवं लौह और माल्को एनर्जी (तेल एवं गैस) अन्य चार सूचीबद्ध कंपनियां होंगी। अग्रवाल ने कहा, /"लाभांश देना मेरे विचार का हिस्सा है। चाहे कोई भी परिस्थिति हो, हमारी कंपनियां नियमित लाभांश जारी करती रहेंगी।/"

जस्ता और चांदी में दो अरब डॉलर का होगा निवेश

चेयरमैन ने कहा कि अगले चार से पांच वर्षों में वेदांता विभिन्न क्षेत्रों में कुल 20 अरब डॉलर का निवेश करेगी। इसमें तेल एवं गैस और एल्युमिनियम में चार-चार अरब डॉलर, जस्ता और चांदी में दो अरब डॉलर, विद्युत उत्पादन में ढाई अरब डॉलर और शेष निवेश लौह अयस्क, इस्पात और अन्य क्षेत्रों में किया जाएगा।

- प्रस्तावित विभाजन के बाद भी समूह की कंपनियां लाभांश देती रहेगी
- समूह विभिन्न कारोबारों में 20 अरब डॉलर का विस्तार जारी रखेगा
- समूह धातु से लेकर तेल तक के कारोबार में संलग्न है

चांदी का उत्पादन 1500 टन किया जाएगा

अग्रवाल ने बताया कि चांदी का उत्पादन मौजूदा लगभग 700 टन से बढ़ाकर 2030 तक 1,500 टन किया जाएगा। इसके साथ ही सीसा उत्पादन को चार लाख टन से बढ़ाकर 20 लाख टन प्रतिवर्ष करने का लक्ष्य है। हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड में जस्ता उत्पादन को वर्तमान 11.3 लाख टन से बढ़ाकर 20 लाख टन किया जाएगा।

विभाजन मार्च तक पूरा होने की योजना

अग्रवाल ने बताया कि वित्त वर्ष 2025-26 में अब तक प्रति शेयर सात रुपये का पहला अंतरिम लाभांश और 16 रुपये का दूसरा अंतरिम लाभांश घोषित किया गया है। वित्त वर्ष 2023-24 में कुल 29.50 रुपये प्रति शेयर और 2024-25 में लगभग 46 रुपये प्रति शेयर लाभांश वितरित किया। अग्रवाल ने बताया कि विभाजन मार्च 2026 तक पूरा होने की योजना है।

जिंक कंपनी से 10 लाख टन अतिरिक्त उत्पादन की योजना

दक्षिण अफ्रीका में समूह की जिंक कंपनी से अतिरिक्त 10 लाख टन उत्पादन की योजना है, जिससे वेदांता विश्व के प्रमुख उत्पादकों में शामिल होगा। एल्युमिनियम कारोबार में समूह मौजूदा 30 लाख टन क्षमता को दोगुना करने की योजना बना रहा है। राजस्थान में 5.10 लाख टन क्षमता का डाई-अमोनियम फॉस्फेट (डीएपी) उर्वरक संयंत्र स्थापित किया जा रहा है, जिसे आगे चलकर 10 लाख टन तक बढ़ाया जाएगा।

प्रत्येक नई कंपनी वेदांता जितनी बड़ी बने

तेल एवं गैस क्षेत्र में उत्पादन को निकट भविष्य में तीन लाख बैरल प्रतिदिन और अगले चार-पांच वर्षों में पांच लाख बैरल प्रतिदिन तक बढ़ाने का लक्ष्य है। अग्रवाल ने कहा, "वेदांता एक बड़ा बरगद है। हर कारोबार में इतनी क्षमता है कि वह स्वयं में बड़ा समूह बन सकता है। मेरा लक्ष्य है कि प्रत्येक नई कंपनी वेदांता जितनी बड़ी बने। इससे शेयरधारकों को लाभ होगा।"

आवास ऋण 10 लाख करोड़ से अधिक होने की उम्मीद

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

- एसबीआई ने कहा, मजबूत मांग व कम ब्याज दर से बढ़ी उम्मीद

देश के सबसे बड़े ऋणदाता भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का आवास ऋण पोर्टफोलियो मजबूत मांग और कम ब्याज दर व्यवस्था के कारण अगले वित्त वर्ष में 10 लाख करोड़ रुपये के स्तर को पार कर सकता है।

एसबीआई के चेयरमैन सी एस सेट्टी ने कहा कि इस वक्त बैंक की आवास ऋण बही नौ लाख करोड़ रुपये से अधिक है। यह बैंक की सबसे बड़ी एकल व्यावसायिक इकाई है और कुल परिसंपत्तियों का 20 प्रतिशत से अधिक हिस्सा है। उन्होंने कहा कि 14 प्रतिशत की वृद्धि दर के साथ एसबीआई अगले वित्त वर्ष 2026-27 में 10 लाख करोड़ रुपये के आवास ऋण पोर्टफोलियो के लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में बढ़ रहा है। एसबीआई का आवास ऋण पोर्टफोलियो पिछले महीने नौ लाख करोड़ रुपये के आंकड़े को पार कर गया। वित्त वर्ष 2024-25 के अंत में बैंक की आवास ऋण बही 8.31 लाख करोड़ रुपये की थी। इस दौरान सालाना आधार पर 14.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई। एसबीआई ने पिछले कई वर्षों के दौरान स्थिर तरीके से अपना आवास ऋण पोर्टफोलियो तैयार किया है।

एनपीए एक प्रतिशत से कम रखने में सफल

यह आंकड़ा मार्च 2011 में एक लाख करोड़ रुपये से बढ़कर नवंबर 2025 में नौ लाख करोड़ रुपये तक पहुंचा। इसके अलावा बैंक लगातार सक्रिय निगरानी के कारण इस खंड में गैर निष्पादित परिसंपत्तियों (एनपीए) को एक प्रतिशत से कम रखने में सफल रहा है।

दो साल में टाइटन का घड़ी व्यवसाय होगा एक अरब डॉलर के पार

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

प्रमुख घड़ी और आभूषण निर्माता टाइटन अपने घड़ी व्यवसाय को लेकर काफी आशावादी है और उसने उम्मीद जताई कि अगले दो वर्षों में इसकी बिक्री एक अरब अमेरिकी डॉलर के स्तर को छू लेगी।

कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी देते हुए कहा कि प्रीमियम उत्पादों को प्रोत्साहन, खुदरा नेटवर्क के विस्तार और अंतरराष्ट्रीय कारोबार के बल पर यह लक्ष्य हासिल करने की तैयारी है। टाइटन के घड़ी प्रभाग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) कुरुविल्ला मार्कोस ने बताया कि पिछले चार-पांच वर्षों में कंपनी ने लगभग 16 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। आगे की वृद्धि के लिए कंपनी प्रीमियम खंड पर ध्यान केंद्रित कर रही है। टाइटन भारत में लक्जरी घड़ियों की बढ़ती मांग को देखते हुए अपने हेलिओस और हेलिओस लक्स फॉर्मेट का नेटवर्क बढ़ा रही है। उन्होंने कहा, प्रीमियम और लक्जरी खंड में 30 प्रतिशत से भी अधिक की तेज वृद्धि की संभावना है।''

एक लाख से ऊपर की घड़ियां लक्जरी खंड में

मजबूत आर्थिक स्थित, बढ़ती व्यक्तिगत आय और बड़ी युवा आबादी जैसे कारकों के चलते टाइटन भारत के घड़ी बाजार को लेकर बेहद आश्वस्त है। मार्कोस ने कहा, ''हम भारत को लेकर बहुत आशावादी हैं। प्रीमियम और लक्जरी खंड तेजी से बढ़ेंगे।'' एक लाख रुपये से ऊपर की घड़ियां लक्जरी खंड में आती हैं। इनकी बिक्री हेलिओस और हेलिओस लक्स स्टोर्स के जरिए होती है।

एनएचपीसी सुवनसिरी की परियोजना शुरू करेगी

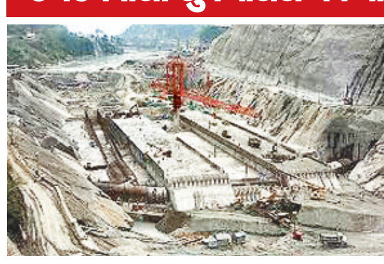

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की बिजली कंपनी एनएचपीसी मंगलवार को 2,000 मेगावाट क्षमता वाली सुवनसिरी निचली जलविद्युत परियोजना की दूसरी इकाई का वाणिज्यिक संचालन शुरू करेगी। इसकी लागत लगभग 27,000 करोड़ रुपये है। एनएचपीसी अरुणाचल प्रदेश और असम की सीमा पर उत्तरी लखीमपुर के पास आठ गुणा 250 मेगावाट क्षमता वाली इस जलविद्युत परियोजना का निर्माण कर रही है। यह भारत में अब तक की सबसे बड़ी जलविद्युत परियोजना है और यह एक 'रन-ऑफ-रिवर' परियोजना है। यानी नदी के प्राकृतिक प्रवाह को बदले बिना पानी सीधे टरबाइन से होकर गुजरता है और बिजली पैदा होती है। एचएचपीसी ने कहा, 'सुवनसिरी निचली जलविद्युत परियोजना की इकाई दो (250 मेगावाट) का वाणिज्यिक संचालन 23 दिसंबर 2025 की आधी रात से चालू होगा।'

बाजार पूंजीकरण में टीसीएस और इंफोसिस को हुआ लाभ

- शीर्ष छह का बाजार पूंजीकरण 75,257 करोड़ रुपए बढ़ा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

देश की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में छह का संयुक्त बाजार पूंजीकरण पिछले सप्ताह 75,256.97 करोड़ रुपये बढ़ गया। इसमें टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और इन्फोसिस को सबसे अधिक लाभ हुआ। पिछले सप्ताह बीएसई सेंसेक्स 338.3 अंक या 0.39 प्रतिशत गिरा।इस दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारती एयरटेल, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), भारतीय स्टेट बैंक, इन्फोसिस और लार्सन एंड टुब्रो लाभ में रहे। दूसरी ओर एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फाइनेंस और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के मूल्यांकन में गिरावट आई। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का बाजार पूंजीकरण 22,594.96 करोड़ रुपये बढ़कर 11,87,673.41 करोड़ रुपये हो गया। इन्फोसिस ने 16,971.64 करोड़ रुपये जोड़े, जिससे उसका मूल्यांकन बढ़कर 6,81,192.22 करोड़ रुपये हो गया।

बोत्सवाना ने राइट्स के साथ किया समझौता

नई दिल्ली। रेल मंत्रालय के अंतर्गत आने वाली परिवहन अवसंरचना परामर्श कंपनी राइट्स लिमिटेड ने बोत्सवाना के साथ वहां के परिवहन ढांचे के विकास और आधुनिकीकरण के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। एक बयान में यह जानकारी दी गई।इस समझौते के तहत बोत्सवाना रेल प्रणालियों के विकास और आधुनिकीकरण के लिए राइट्स की प्रौद्योगिकी विशेषज्ञता का लाभ उठाएगा। राइट्स ने एक बयान में कहा कि इस साझेदारी का उद्देश्य आधुनिक प्रौद्योगिकी, वैश्विक सर्वोत्तम तरीकों और क्षमता निर्माण कार्यक्रमों के माध्यम से बोत्सवाना के रेलवे और परिवहन क्षेत्र की दक्षता, सुरक्षा और विश्वसनीयता बढ़ाना है।

व्यापक आंकड़े इस सप्ताह तय करेंगे शेयर बाजार की दिशा

- विदेशी निवेशकों का रुख, डॉलर की चाल का भी पडेगा असर
- छुट्टियों के कारण छोटे सप्ताह में बाजार सीमित दायरे में काम करेगा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

विदेशी निवेशकों की कारोबारी गतिविधियां, डॉलर की चाल और वैश्विक व्यापक आर्थिक आंकड़ों से इस सप्ताह शेयर बाजार की दिशा तय होगी। विश्लेषकों ने यह अनुमान जताते हुए कहा कि छुट्टियों के कारण छोटे सप्ताह में शेयर बाजार सीमित दायरे में कारोबार कर सकते हैं। एक विशेषज्ञ ने कहा कि क्रिसमस और नए साल की छुट्टियों के कारण कई वैश्विक बाजारों में सुस्त गतिविधि देखने को मिल सकती है। घरेलू शेयर बाजार बृहस्पतिवार को क्रिसमस के अवसर पर बंद रहेंगे। रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड में वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) अजीत मिश्रा ने कहा, ''इस सप्ताह साल के अंत के त्योहारी दौर से कारोबार सीमित रह सकता है। घरेलू स्तर पर बाजार अवसंरचना क्षेत्र के आंकड़ों के साथ ही बैंक ऋण वृद्धि, जमा वृद्धि और विदेशी मुद्रा भंडार से जुड़े आंकड़ों पर नजर रखेंगे। मुद्रा की चाल और कच्चे तेल की कीमतें भी अहम कारक बनी रहेंगी।

कम अमेरिकी महंगाई के बाद बाजार धारणा बदली

सीइओ ने कहा कि अपेक्षा से कम अमेरिकी महंगाई के बाद बाजार की धारणा अधिक सकारात्मक हुई है, और यह माहौल ऐतिहासिक रूप से भारत सहित उभरते बाजारों के लिए अनुकूल रहा है। पिछले सप्ताह बीएसई सेंसेक्स 338.3 अंक या 0.39 प्रतिशत गिरा, जबकि निफ्टी 80.55 अंक या 0.30 प्रतिशत फिसला

नए वर्ष में बिक्री वृद्धि 6-8 प्रतिशत के दायरे में रहने का अनुमान

वर्ष 2026 में भारत की वाहन क्षेत्र में वृद्धि जारी रहेगी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

- जीएसटी सुधार व आयकर राहत से उपभोक्ता मांग को सहारा मिला

भारत का वाहन उद्योग 2026 में अपेक्षाकृत मजबूत स्थिति के साथ प्रवेश कर रहा है, जहां बिक्री वृद्धि 6-8 प्रतिशत के दायरे में रहने का अनुमान है। जीएसटी सुधारों, मौद्रिक स्थितियों में ढील और आयकर राहत जैसे नीतिगत समर्थन से सभी वाहन श्रेणियों में उपभोक्ता मांग को सहारा मिलने की संभावना है।

यह तेजी केवल चक्रीय सुधार का परिणाम नहीं है। वर्ष 2025 में यात्री वाहन बिक्री ने कमजोर शुरुआत के बाद तेज वापसी की, जिसे शहरी मांग में मजबूती, ग्रामीण आय में स्थिरता और वित्त पोषण का समर्थन मिला। एसयूवी की मांग बनी रही, जबकि सीएनजी और इलेक्ट्रिक वाहनों की हिस्सेदारी बढ़ी। इससे पता चलता है कि पावरट्रेन में बदलाव क्रमिक और स्थिर है।

निवेश चक्र में आ रहा बदलाव

आपूर्ति पक्ष की बाधाएं अब भी एक संरचनात्मक चुनौती बनी हुई हैं। स्थानीयकरण में सुधार के बावजूद वैश्विक अनिश्चितताएं, शुल्क और मुद्रा अवमूल्यन के चलते चुनौतियां बनी हुई है। इस बीच निवेश चक्र में भी बदलाव आ रहा है। वाहन निर्माता विद्युतीकरण, चार्जिंग अवसंरचना और मंच उन्नयन पर पूंजी आवंटन बढ़ा रहे हैं। साथ ही निकट अवधि की मांग को पूरा करने के लिए पारंपरिक पावरट्रेन को भी विस्तार दे रहे हैं।

रोजगार सृजन को बढ़ावा मिलेगा : यह दोहरी रणनीति उस बाजार को दर्शाती है, जो धीरे धीरे बदलाव की ओर बढ़ रहा है। मारुति सुजुकी के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी हिसाशी ताकेउची ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि 2026 में जीएसटी लाभ पूरी तरह सामने आएंगे, जिससे उद्योग की वृद्धि 7-8 प्रतिशत सालाना तक पहुंचेगी और रोजगार सृजन को बढ़ावा मिलेगा।

भविष्य के उत्सर्जन नियमों के लिए तैयारी

हालांकि 2027 से लागू होने वाले कैफे मानकों और भविष्य के उत्सर्जन नियमों की तैयारी के चलते अनुपालन लागत बढ़ने वाली है। इससे मार्जिन और कीमतों पर दबाव पड़ सकता है। दोपहिया वाहनों के लिए एबीएस और सीबीएस जैसी अनिवार्य सुरक्षा आवश्यकताएं पहले ही शुरुआती स्तर पर कीमतों को बढ़ा रही हैं और मूल्य संवेदनशील वर्गों में बिक्री वृद्धि को सीमित कर सकती हैं।

दोपहिया व यात्री वाहन खंड दो अंकों में करेगा वृद्धि

फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशंस के चेयरमैन सी एस विग्नेश्वर ने कहा कि डीलरों को भरोसा है कि 2025 में दोपहिया और यात्री वाहन खंड दो अंकों की वृद्धि दर्ज करेगा। टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी शैलेश चंद्रा ने कहा कि जीएसटी सुधार, रेपो दर में कटौती और आयकर लाभ जैसे नीतिगत कारक वहन क्षमता बढ़ाएंगे और मांग को प्रोत्साहित करेंगे।

बायोगैस क्षेत्र में 5,000 करोड़ रुपए के निवेश की उम्मीद

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

- अभी तक 100 से अधिक कंप्रेस्ड बायोगैस संयंत्र शुरू किए जा चुके

भारतीय बायोगैस एसोसिएशन (आईबीए) ने कहा कि निवेशकों और हितधारकों की मजबूत रुचि के चलते 2026-27 में बायोगैस क्षेत्र में 5,000 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश होने की उम्मीद है। उद्योग निकाय ने एक बयान में कहा कि अभी तक 100 से अधिक कंप्रेस्ड बायोगैस (सीबीजी) संयंत्र शुरू किए जा चुके हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार 94 सीबीजी संयंत्रों ने वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान 31,400 टन से अधिक सीबीजी की बिक्री की। इससे वृद्धि और बाजार में स्वीकार्यता का ठोस प्रमाण मिलता है। इसके अलावा लाखों की संख्या में छोटे पैमाने के पारंपरिक बायोगैस उपक्रमों में दक्षता सुधार और क्षमता उपयोग की पर्याप्त गुंजाइश मौजूद है। आईबीए को सीबीजी सुविधाओं के बड़े पैमाने पर चालू होने, कच्चे माल की प्रभावी आपूर्ति और बायोगैस को तेजी से अपनाने के लिए समन्वित नीति ढांचे की उम्मीद है।

27वें जन्मदिन पर एमबाप्पे ने की रोनाल्डो की बराबरी

एमबाप्पे ने रियाल मैड्रिड के लिए दागा 59वां गोल

एजेंसी ⏭ बार्सिलोना

स्टार स्ट्राइकर काइलियन एमबाप्पे ने अपने 27वें जन्मदिन पर साल 2025 में रियाल मैड्रिड के लिए अपना 59वां गोल करके एक साल में सबसे अधिक गोल करने के क्लब रिकॉर्ड की बराबरी की, जो कि अब तक क्रिस्टियानो रोनाल्डो के नाम पर दर्ज था। फ्रांस के स्ट्राइकर एमबाप्पे के लिए यह उपलब्धि हासिल करना लगभग असंभव रहा था, क्योंकि रियाल मैड्रिड का यह इस साल का आखिरी मैच था। एमबाप्पे ने हालांकि मैच खत्म होने से चार मिनट पहले पेनल्टी किक को गोल में बदलकर रोनाल्डो की बराबरी की, जिससे रियाल मैड्रिड ने सेविला पर 2-0 से जीत दर्ज की। रोनाल्डो ने 2013 में यह रिकॉर्ड बनाया था। एमबाप्पे ने रिकॉर्ड गोल करने के बाद रोनाल्डो के अंदाज में ही जश्न मनाया।

एमबाप्पे ने कहा, ' क्रिस्टियानो ने जो किया, वह अविश्वसनीय है। वह मेरे आदर्श हैं। वह रियाल मैड्रिड के इतिहास के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी रहे हैं। मेरा यह जश्न उनको समर्पित है। मेरा उनसे बहुत अच्छा रिश्ता है। वह मेरे दोस्त हैं। मैं उन्हें और रियाल मैड्रिड के सभी प्रशंसकों को क्रिसमस और नए साल की हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं।'

प्रीमियर लीग का नया गोल किंग- हॉलैंड ने रोनाल्डो को पछाड़ा

एजेंसी ⏭ लंदन

एर्लिंग हॉलैंड ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए दो गोल करके इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ियों की सूची में क्रिस्टियानो रोनाल्डो को पीछे छोड़ दिया, जिससे मैनचेस्टर सिटी ने आसान जीत दर्ज करके अपनी जीत का सिलसिला पांच मैच तक पहुंचा दिया। मैनचेस्टर सिटी को इस जीत तीन अंक मिले, लेकिन यह आर्सेनल को क्रिसमस के दिन प्रीमियर लीग में शीर्ष पर रहने से रोकने के लिए पर्याप्त नहीं था। आर्सेनल ने विक्टर ग्योकेरेस के पहले हाफ में पेनल्टी पर किए गोल की बदौलत एवर्टन पर 1-0 की जीत हासिल की, जिससे यह सुनिश्चित हो गया कि आर्सेनल 25 दिसंबर को प्रीमियर लीग में पांचवीं बार पहले स्थान पर रहेगा। इससे पहले जब चार अवसरों पर आर्सेनल क्रिसमस तक शीर्ष पर रहा था तब वह खिताब नहीं जीत पाया था।

आर्सेनल के बाद मैनचेस्टर सिटी दूसरे स्थान पर है। वह आर्सेनल से केवल दो अंक पीछे है। उसने वेस्ट हैम को 3-0 से हराया। हॉलैंड ने दोनों हाफ में एक-एक गोल करके इस सत्र में 17 मैचों में 19 गोल कर लिए हैं। इस तरह से उन्होंने प्रीमियर लीग में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ियों की सूची में रोनाल्डो को पीछे छोड़ दिया।

खबर संक्षेप

केओए ने किया आयुष प्रज्वल को सम्मानित

बेंगलुरु। कर्नाटक ओलंपिक संघ (केओए) ने उभरते हुए शटलर आयुष शेट्टी, अनुभवी टेनिस खिलाड़ी एसडी प्रज्वल देव सहित इस साल उल्लेखनीय प्रदर्शन करने वाले राज्य के खिलाड़ियों को वार्षिक पुरस्कार समारोह में सम्मानित किया। बीस साल के शेट्टी ने जून में यूएस ओपन सुपर 300 टूर्नामेंट जीतकर बीडब्ल्यूएफ (विश्व बैडमिंटन महासंघ) विश्व टूर में इस साल भारत के खिताब के सूखे को समाप्त किया था। उन्होंने पुरुष एकल फाइनल में कनाडा के ब्रायन यांग को 21-18, 21-13 से हराया था। प्रज्वल 2024 में भारत की डेविस कप टीम के सदस्य थे। प्रज्वल ने पुरस्कार लेने के बाद कहा, 'अब मेरी नजर बेंगलुरु ओपन, बैंकॉक चैलेंजर और वियतनाम में होने वाले दो टूर्नामेंटों पर है। इस पुरस्कार को पाकर मुझे बहुत गर्व हो रहा है।'

एशियाई फुटबॉल परिसंघ शुरू करेगा नेशंस लीग

कुआलालंपुर। एशियाई फुटबॉल परिसंघ (एएफसी) ने अपने सदस्य देशों के बीच प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने के लिए एएफसी नेशंस लीग शुरू करने की घोषणा की। यह कदम यूईएफए द्वारा 2018 में नेशंस लीग से प्रभावित होकर उठाया गया है,

जिसमें यूरोप की राष्ट्रीय टीमों को विभिन्न स्तरों में विभाजित किया जाता है और वे फीफा की निर्धारित विंडो में अंतरराष्ट्रीय मैच खेलते हैं। यह घोषणा अफ्रीकी फुटबॉल परिसंघ द्वारा 2029 में इसी तरह का टूर्नामेंट शुरू करने की घोषणा के एक दिन बाद आई है। एएफसी से जारी बयान के मुताबिक, 'राष्ट्रीय टीमों की सीमित उपलब्धता, बढ़ती परिचालन लागत और लॉजिस्टिक संबंधी जटिलताओं के कारण फीफा अंतरराष्ट्रीय मैच विंडो का प्रभावी उपयोग करना लगातार चुनौतीपूर्ण होता जा रहा है।

विश्व 25 कोलकाता दौड़: गुलवीर और सीमा ने बनाया कोर्स रिकॉर्ड

कोलकाता। युगांडा के जोशुआ चेप्टेगेई ने 10वीं टाटा स्टील विश्व 25के (25 किलोमीटर) कोलकाता पुरुष दौड़ में जीत हासिल की, जबकि गुलवीर सिंह और सीमा ने नया भारतीय कोर्स रिकॉर्ड बनाया। इथियोपिया की डेगिटु अजीमेरा ने मौजूदा चैंपियन सुतुमे असेफा केबेडे को हराकर अंतरराष्ट्रीय एलीट महिला वर्ग की दौड़ जीती। दो बार के ओलंपिक चैंपियन चेप्टेगेई ने शुरुआत में ही दबदबा बना दिया था। उन्होंने 1:11:49 (एक घंटा, 11 मिनट और 49 सेकेंड) का समय लेकर पहली बार यह प्रतियोगिता जीती। तंजानिया के अल्फोंस फेलिक्स सियुम्बु (1:11:56) दूसरे और लेसोथो के टेबेलो रामाकोंगोआना (1:11:59) तीसरे स्थान पर रहे। महिलाओं के वर्ग में अज़ीमेरा शुरू से अंत तक आगे रहीं। उन्होंने 1:19:36 का समय लेकर पहला स्थान हासिल किया।

कमिंस की टीम ने स्टोक्स का सपना किया चकनाचूर

ऑस्ट्रेलिया के पास रहेगी एशेज की ट्रॉफी, इंग्लैंड को 82 रन से दी मात

एजेंसी ⏭ एडिलेड

तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने तीसरे टेस्ट क्रिकेट मैच के पांचवें और अंतिम दिन रविवार को आखिरी चार विकेटों में से तीन विकेट लेकर इंग्लैंड की वापसी की उम्मीदों पर पानी फेर दिया और इस तरह से ऑस्ट्रेलिया ने 82 रन से जीत दर्ज करके दो टेस्ट शेष रहते हुए एशेज बरकरार रखने में कामयाबी हासिल की। इंग्लैंड ने 435 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पांचवें दिन सुबह अपनी दूसरी पारी छह विकेट पर 207 रन से आगे बढ़ाई। उसे तब जीत के लिए 228 रन चाहिए थे, जबकि आस्ट्रेलिया को एशेज को बरकरार रखने के लिए चार विकेट की जरूरत थी। इंग्लैंड की टीम हालांकि लंच के बाद 352 रन पर आउट हो गई और इस तरह से उसकी अप्रत्याशित जीत दर्ज करके विश्व रिकार्ड बनाने और एशेज में बने रहने की उम्मीदों पर तुषारापात हो गया।

- स्टार्क ने इंग्लैंड की वापसी की उम्मीदों पर फेरा पानी

स्टार्क ने की शानदार गेंदबाजी

इन दोनों मैच में स्टार्क ने शानदार गेंदबाजी की थी और उन्हें मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया था। उन्होंने तीसरे टेस्ट मैच में फिर से ऑस्ट्रेलिया की जीत में अहम भूमिका निभाई। स्टार्क ने सुबह के सत्र में एकमात्र विकेट लिया। उन्होंने जेमी स्मिथ को 60 रन पर आउट किया। इंग्लैंड ने पहले सत्र में 102 रन जोड़कर अपनी उम्मीदों को बरकरार रखा। इंग्लैंड की शानदार वापसी ने आखिरी दिन दोपहर के भोजन तक एशेज का रोमांच बनाए रखा। इंग्लैंड ने लंच तक सात विकेट पर 309 रन बनाए थे। तब ऑस्ट्रेलिया को एडिलेड में ही ट्रॉफी जीतने के लिए तीन विकेट और इंग्लैंड को पांच मैचों की श्रृंखला में बने रहने के लिए 126 रन की जरूरत थी।

यह हार काफी निराशाजनक : स्टोक्स

इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने बाद में कहा कि उन्हें सुबह के सत्र में ऐसा लग रहा था कि उनकी टीम एक और बड़ी जीत हासिल करने के लिए तैयार है और उन्हें रिकॉर्ड स्कोर बनाने का पूरा भरोसा था। स्टोक्स ने कहा, 'यह हार काफी निराशाजनक है। हम जिस लक्ष्य को लेकर यहां आए थे उसे हासिल नहीं कर पाए। हम अपना सपना पूरा नहीं कर पाए, जो निश्चित रूप से काफी निराशाजनक है।' इंग्लैंड के निचले क्रम के बल्लेबाजों ने लगातार दबाव बनाए रखा। ऑस्ट्रेलिया को अनुभवी स्पिनर नाथन लियोन की कमी खली जो हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण मैदान से बाहर चले गए थे। ऐसे में श्रृंखला में सर्वाधिक विकेट लेने वाले तेज गेंदबाज स्टार्क ने शानदार प्रदर्शन किया। चौथा टेस्ट मैच बॉक्सिंग डे (26 दिसंबर) पर मेलबर्न में शुरू होगा।

ऑस्ट्रेलिया ने दो टेस्ट समान अंतर से जीते

ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस ने मैच के बाद कहा, 'बहुत अच्छा लग रहा है। हमने कर दिखाया। ऑस्ट्रेलिया में आप कुछ भी चीज को हासिल करने के लिए जल्दबाजी नहीं कर सकते। इसके लिए कड़ी मेहनत करनी होती है और मुझे खुशी है कि हमारे सभी खिलाड़ियों ने मेहनत की। मैंने नहीं सोचा था कि मैच इतना करीबी हो जाएगा लेकिन मैं परिणाम से बहुत खुश हूं।' इंग्लैंड ने आखिरी बार ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट मैच जनवरी 2011 में जीता था, जिसके बाद से 5,462 दिन बीत चुके हैं। ऑस्ट्रेलिया ने उसके बाद से अपनी धरती पर 5-0, 4-0, 4-0 से श्रृंखला जीती है और अब वह 3-0 से आगे है। ऑस्ट्रेलिया ने पर्थ और ब्रिस्बेन में पहले दो टेस्ट मैच आठ विकेट के समान अंतर से जीते थे।

जेमिमा का धमाकेदार अर्धशतक, भारत ने पहले टी20 में श्रीलंका को 8 विकेट से हराया

विशाखापत्तनम। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने जेमिमा रोड्रिग्स (नाबाद 69 रन) की आकर्षक अर्धशतकीय पारी से पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में श्रीलंका को 32 गेंद रहते आठ विकेट से हराकर पांच मैच की श्रृंखला में 1-0 की बढ़त बना ली। भारतीय गेंदबाजों ने ओस के बावजूद श्रीलंका को छह विकेट पर 121 रन का स्कोर ही बनाने दिया। ओस के उम्मीद से पहले असर दिखाने के बावजूद मेहमान टीम की बल्लेबाज ढीली गेंदों का पूरा फायदा नहीं उठा सकीं। फिर भारतीय टीम ने यह लक्ष्य 14.4 ओवर में दो विकेट पर 122 रन बनाकर हासिल कर लिया, जिसमें जेमिमा ने 44 गेंद की नाबाद पारी में 10 चौके लगाए। उनके अलावा सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने 25 रन का योगदान दिया।

जेमि ने 34 गेंद में पूरा किया पचासा

जेमिमा ने मंधाना के साथ दूसरे विकेट के लिए 54 रन और कप्तान हरमनप्रीत कौर (16 गेंद में नाबाद 15 रन) के साथ तीसरे विकेट के लिए 55 रन की साझेदारी निभाई। जेमिमा ने अपनी पारी के दौरान कई दर्शनीय शॉट खेले लेकिन उनकी पारी का आकर्षण 12वें

ओवर में बाएं हाथ की कलाई की स्पिनर शशिनी जिम्हानी पर जड़े चार चौके रहे और इसी दौरान उन्होंने 34 गेंद में अपना पचासा भी पूरा किया। शेफाली वर्मा (09 रन, दो चौके) ने भारतीय पारी की शुरुआत पहले ओवर में दो चौकों के साथ आक्रामक अंदाज में की। लेकिन वह इसे ज्यादा देर तक जारी नहीं रख सकीं।

फ्लॉप रही श्रीलंकाई बल्लेबाजी

श्रीलंका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 121 रन बनाए। उनकी शुरुआत अच्छी नहीं रही। कप्तान चमारी अथापथ्थु सिर्फ 15 रन बनाकर क्रांति गौड़ की गेंद पर बोल्ड हो गईं। इसके बाद विश्मी गुणरत्ने ने सबसे ज्यादा 39 रन बनाए। उन्होंने 43 गेंदों का सामना किया और एक चौका व एक छक्का लगाया। हर्षिता समरविक्रमा ने 21 रन और हसिनी परेरा ने 20 रन का योगदान दिया। आखिर में कई रनआउट हुए, जिसमें विश्मी, निलक्षिका सिल्वा और कविशा दिलहारी रनआउट का शिकार बनीं।

भारतीय गेंदबाजी रही शानदार

भारतीय गेंदबाजी शानदार रही. क्रांति गौड़ और श्री चरणी ने एक-एक विकेट लिया, जबकि दीप्ति शर्मा ने भी एक विकेट हासिल किया। बाकी विकेट रनआउट से मिले। श्रीलंका की टीम 121 रन तक ही पहुंच सकी। हालांकि यहां भारत ने बेहद खराब फील्डिंग की और कई कैच ड्रॉप किए।

स्मृति ने टी20 में पूरे किए 4 हजार रन

स्मृति ने श्रीलंका के खिलाफ 25 गेंदों पर 4 चौकों की मदद से 25 रन की पारी खेली और टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में 4 हजार रन भी उन्होंने पूरे कर लिए। स्मृति भारत की तरफ से टी20आई में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली बैटर हैं और रन के इस आंकड़े को छूने वाली वो पहली महिला क्रिकेट भी बनीं।

भारतीय बल्लेबाजों का फ्लाप शो पाक ने जीता अंडर-19 एशिया कप

एजेंसी ⏭ दुबई

अंडर-19 एशिया कप के फाइनल में भारतीय टीम को पाकिस्तान हार दिया। पाकिस्तान की टीम ने भारत को 26.2 ओवरों में ढेर कर 191 रन से फाइनल जीत लिया। भारतीय टीम के सामने 348 रन का लक्ष्य बड़ा साबित हुआ और बैटर्स के फ्लॉप प्रदर्शन के चलते अंत में टीम को हार मिली। भारत की ओर से कोई भी बैटर 26 रन से ज्यादा नहीं बना पाया। वैभव सूर्यवंशी, आयुष म्हात्रे, एरोन जॉर्ज जैसे बड़े नाम फ्लॉप रहे।

वैभव ने बनाए मात्र 26 रन

भारत की शुरुआत जोरदार रही. ओपनर वैभव सूर्यवंशी ने पहले ओवर में ही अली रजा पर तीन छक्के और एक चौका लगाकर 26 रन ठोक दिए। लेकिन इसके बाद विकेटों की झड़ी लग गई। कप्तान आयुष म्हात्रे सिर्फ 2 रन बनाकर आउट हो गए. एरॉन जॉर्ज ने 16 रन बनाए, लेकिन वो भी जल्दी लौट गए। वैभव भी 10 गेंदों पर 26 रन बनाकर पवेलियन चले गए।

क्रीज पर नहीं टिक सके भारतीय बल्लेबाज

इसके बाद कोई भी बल्लेबाज टिक नहीं सका। विहान मल्होत्रा 7 रन, वेदांत त्रिवेदी 9 रन, अभिज्ञान कुंडू 13 रन, कनिष्क चौहान 9 रन बनाकर आउट हुए। खिलन पटेल ने 19 रन बनाए, जिसमें दो छक्के शामिल थे। हेनिल पटेल 6 रन पर आउट हो गए। आखिर में दीपेश देवेंद्रन ने पूरी कोशिश की लेकिन उन्हें और किसी बैटर का साथ नहीं मिल पाया। अंत में किशन सिंह उनके साथ आए और दोनों ने जैसे तैसे रन जोड़ने शुरू किए। लेकिन अंत में अली रजा ने दीपेश को कैच आउट करा पाकिस्तान की झोली में जीत डाल दी। भारत की ये बेहद बड़ी हार है।

दिव्या शक्ति सुगम्य भारत ट्रॉफी

वाराणसी। राजस्थान के दिव्यांग खिलाड़ी जसवंत सिंह रविवार को बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी के एमपी थिएटर ग्राउंड में बीसीसीआई की ओर से प्रायोजित दिव्या शक्ति सुगम्य भारत ट्रॉफी के क्रिकेट मैच के दौरान छड़ी का इस्तेमाल करके गेंद फेंकते हुए।

यादें 2025: अदालती सुनवाई, वित्तीय समस्याओं से जूझना पड़ा

इस साल उम्मीदों पर खरा नहीं उतरा भारतीय फुटबॉल

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

भारतीय फुटबॉल के लिए वर्ष 2025 निराशा से भरा रहा, जिसमें उसे गंभीर प्रशासनिक संकट, अदालती सुनवाई, वित्तीय समस्याओं, घरेलू लीग के अभाव और सीनियर पुरुष टीम के खराब प्रदर्शन से जूझना पड़ा। जैसे-जैसे साल खत्म होने लगा लियोनेल मेस्सी के बहुचर्चित 'जीओएटी इंडिया टूर' ने कुछ दिलचस्पी पैदा की और इस खेल को लेकर कुछ चर्चा शुरू करने पर मजबूर किया। लेकिन इससे भारतीय फुटबॉल को कुछ फायदा हुआ होगा ऐसा नहीं लगता है। भारतीय फुटबॉल की अपनी समस्याएं ही कम नहीं थी और ऐसे में मेस्सी के दौरे के पहले दिन साल्ट लेक स्टेडियम में फैली अराजकता और अव्यवस्था ने शर्मिंदगी को और बढ़ा दिया। भारतीय फुटबॉल के गढ़ कहे जाने वाले कोलकाता में कानून-व्यवस्था का बिगड़ना भले ही अच्छी खबर न हो, लेकिन हैदराबाद, मुंबई और दिल्ली में मेस्सी के कार्यक्रम अच्छी तरह से आयोजित किए गए।

पुरुष टीम का प्रदर्शन रहा बेहद निराशाजनक

इस साल भारत की सीनियर पुरुष टीम का प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा। उसे ढाका में नवंबर में खेले गए 2027 एएफसी एशियाई कप क्वालीफाइंग मैच में बांग्लादेश से हार का सामना करना पड़ा। यह बांग्लादेश के खिलाफ पिछले 22 वर्षों में उसकी पहली पराजय थी। भारतीय टीम वर्ष 2024 में अंतरराष्ट्रीय मैचों में एक भी जीत हासिल नहीं कर पाई थी, लेकिन इस साल वह कुछ जीत हासिल करने में कामयाब रही, जिसमें सितंबर में मध्य एशियाई देशों ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान में आयोजित सीएएफए नेशंस कप में कांस्य पदक जीतना भी शामिल है।

कम रैंकिंग वाली टीमों से हार भारत

बांग्लादेश के अलावा भारतीय पुरुष टीम को हांगकांग और सिंगापुर जैसी कम रैंकिंग वाली टीमों से भी हार का सामना करना पड़ा। सिंगापुर से 1-2 से मिली हार ने एशियाई कप में प्रवेश करने की उसकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया। जहां एक ओर पुरुष टीम मैदान पर संघर्ष कर रही थी वहीं दूसरी ओर प्रशासक मैदान के बाहर की समस्याओं से जूझ रहे थे। अखिल भारतीय फुटबाल महासंघ (एआईएफएफ) का रिलायंस के स्वामित्व वाली फुटबॉल स्पोर्ट्स डेवलपमेंट लिमिटेड (एफएसडीएल) के साथ पिछला अनुबंध आठ दिसंबर को समाप्त हो गया। इसके बाद वह इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के लिए एक नया वाणिज्यिक भागीदार नहीं जुटा पाया, जिससे इस खेल पर संकट पैदा हो गया। यही वजह है कि देश की सर्वोच्च फुटबॉल लीग आईएसएल अभी तक शुरू नहीं हो पाई।

डेजर्ट वाइपर्स का शानदार प्रदर्शन शारजाह वॉरियर्ज को 4 विकेट से हराया

एजेंसी ⏭ दुबई

डेजर्ट वाइपर्स ने आईएलटी20 क्रिकेट टूर्नामेंट में शारजाह वॉरियर्ज पर चार विकेट से जीत हासिल करके अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा और अंक तालिका में शीर्ष स्थान पर अपनी दावेदारी को और मजबूत किया। वाइपर्स ने आठ मैचों में 14 अंकों के साथ शीर्ष दो में अपनी जगह पक्की कर ली है। वॉरियर्ज की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 17.5 ओवर में 90 रन पर आउट हो गई। उसके केवल दो बल्लेबाज दोहरे अंक में पहुंचे, जिनमें टॉम एबेल ने सर्वाधिक नाबाद 35 रन बनाए। वाइपर्स की तरफ से डेविड पायने ने 14 रन देकर तीन विकेट लिए। वाइपर्स ने 13.5 ओवर में छह विकेट पर 91 रन बनाए और इस तरह से 37 गेंदें शेष रहते हुए आसान जीत हासिल की। उसकी तरफ से सैम कुरेन की 31 गेंदों में 37 रन की पारी खेली, जिसमें पांच चौके शामिल हैं।

सच्ची कहानी के आगे साइंस ने भी झुकाया सिर

सिर कट गया, फिर भी 18 महीने जिंदा रहा ये मुर्गा

न्यूयार्क। क्या कोई जीव बिना सिर के जिंदा रह सकता है? सुनने में यह मजाक या 'चमत्कार' लगता है, लेकिन आज से कई सालों पहले अमेरिका में ऐसा सच में हुआ था। कोलोराडो के एक फार्म में एक मुर्गा 18 महीने तक बिना सिर के जिंदा रहा और दुनिया को हैरान कर गया। इस मुर्गे का नाम था माइक द हेडलेस चिकन। यह घटना 18 सितंबर 1945 की है। अमेरिका के कोलोराडो राज्य में लॉयड ओल्सन नाम का एक किसान अपने फार्म में मुर्गों को काट रहा था। उसी दिन घर में नॉनवेज पार्टी थी। जब लॉयड ने एक मुर्गे का सिर काटा, तो वह मरा नहीं। सिर कटने के बावजूद वह इधर-उधर चलने लगा। लॉयड को लगा कि कुछ देर में मर जाएगा, इसलिए उसने उस मुर्गे को एक डिब्बे में रख दिया, लेकिन अगली सुबह जब डिब्बा खोला गया, तो सब हैरान रह गए। मुर्गा अब भी जिंदा था।..वो भी बिना सिर के.

क्या सच में था यह चमत्कार?

शुरुआत में गांव वालों और आसपास के लोगों ने इसे कुदरत का 'चमत्कार' माना, लेकिन बाद में वैज्ञानिकों ने इस घटना को गहराई से समझा। विशेषज्ञों के मुताबिक, मुर्गे का दिमाग आगे नहीं, बल्कि पीछे की ओर होता है। माइक के मामले में कुल्हाड़ी का वार ऐसा पड़ा कि उसका चेहरा, चोंच और आंखें तो कट गईं, लेकिन ब्रेन स्टेम सुरक्षित रहा। यही हिस्सा शरीर के जरूरी काम जैसे सांस लेना, दिल की धड़कन और पाचन को नियंत्रित करता है।

बिना मुंह खाना कैसे खाता था माइक?

माइक को जिंदा रखने के लिए लॉयड ओल्सन ने उसकी खास देखभाल की। वह सिरिंज की मदद से माइक की ग्रासनली में दूध, पानी और मक्के का तरल भोजन डालता था। साथ ही, सांस की नली में जमा म्यूकस को भी सिरिंज से साफ किया जाता था। इसी देखभाल की वजह से माइक 18 महीने यानी करीब डेढ़ साल तक जिंदा रहा।

अमेरिका का चमत्कारी मुर्गा

माइक की कहानी अखबारों में छपने लगी। लोग दूर-दूर से उसे देखने आने लगे। एक साइडशो प्रमोटर होप वेड माइक को टूर पर ले गया। माइक अमेरिका के कई शहरों में दिखाया गया और ओल्सन परिवार ने इससे अच्छी कमाई भी की। माइक को नाम मिला 'बिना सिर वाला मुर्गा माइक'। वह अपने दौर का सबसे अजीब, लेकिन चर्चित जीव बन गया।

बिना सिर जिंदा रहा मुर्गा

आमतौर पर सिर कटने के बाद खून बहने से जान चली जाती है, लेकिन माइक के साथ ऐसा नहीं हुआ। कारण था एक ब्लड क्लॉट। सिर कटते ही खून का थक्का जम गया, जिससे ज्यादा ब्लीडिंग नहीं हुई। यही वजह रही कि माइक तुरंत नहीं मरा और उसका शरीर काम करता रहा। यह एक बेहद दुर्लभ जीववैज्ञानिक घटना थी।

कालापानी की सजा से क्यों कांपते थे कैदी? आखिर किस जेल में कैदियों को रखा जाता था

नई दिल्ली। बीते जमाने में काला पानी की सजा के नाम से ही कैदी कांपने लगते थे। यह एक जेल थी, जिसे सेल्यूलर जेल के नामा से जाना जाता था। वर्तमान समय में भी यह जेल इसी नाम से जानी जाती है। यह जेल अंडमान निकोबार द्वीप की राजधानी पोर्ट ब्लेयर में बनी हुई है। इस जेल को अंग्रेजों ने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के सेनानियों को कैद रखने के लिए बनाया गया था। काला पानी का भाव सांस्कृतिक शब्द काल से बना माना जाता है, जिसका अर्थ होता है समय

या मृत्यु। यानी काला पानी शब्द का अर्थ मृत्यु के स्थान से है, जहां से कोई वापस नहीं आता। हालांकि, अंग्रजों ने इसे सेल्यूलर नाम दिया था, जिसके पीछे एक हैरान करने वाली वजह है।

गहरे समुद्र से घिरी हुई है जेल

सेल्यूलर जेल अंग्रेजों द्वारा भारत के स्वतंत्रता सेनानियों पर किए गए अत्याचारों की मूक गवाह है। इस जेल की नींव 1897 ईस्वी में रखी गई थी और 1906 में यह बनकर तैयार हो गई थी। इस जेल में कुल 698 कोठरियां बनी थीं और प्रत्येक कोठरी 15×8 फीट की थी। इन कोठरियों में तीन मीटर की ऊंचाई पर रोशनदान बनाए गए थे ताकि कोई भी कैदी दूसरे कैदी से बात न कर सके। यह जेल गहरे समुद्र से घिरी हुई है, जिसके चारों ओर कई किलोमीटर तक सिर्फ और सिर्फ समुद्र का पानी ही दिखता है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादकः प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com